www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 34.c

25.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 88.430g

चांदी 91.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 भगदड़ की घटनाओं से त्रस्त भारत, अव्यवस्था के कारण जाती कई जान

जलकल विभाग की लापरवाही से लोग परेशान 04

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मंत्री ने बाघ की मौत की जांच के आदेश दिए

कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खांडरे ने शिवमोग्गा जिले के अंबालिगोला जलाशय में एक मृत नर बाघ के मिलने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने 18 फरवरी को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन को लिखित निर्देश जारी कर कहा था कि मीडिया में प्रकाशित तस्वीरों में बाघ के शरीर पर गोली (छर्रा) लगने के संकेत मिले हैं। उन्होंने इस मामले की जांच करने और 10 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। खांडरे ने स्थानीय लोगों द्वारा इस बात का संदेह जताए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया कि बाघ को कहीं और मारकर यहां फेंक दिया गया था। मंत्री ने इस पहलू की भी जांच करने के निर्देश दिए हैं।

कश्मीर में युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए चलाये जा रहे हैं कई तरह के जागरूकता कार्यक्रम

कश्मीर में युवाओं के बीच बढ़ती नशे की लत की समस्या को देखते हुए सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं तमाम तरह के जागरूकता कार्यक्रम चला रही हैं। इसी क्रम में साउथ एशिया सेंटर फॉर पीस एंड पीपल्स एम्पावरमेंट (एसएसीपीपीई) ने देखभाल साउंड ट्रक को हरी झंडी दिखाई। यह आयोजन पुलिस अधिकारियों और स्थानीय व्यापारियों की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष उमर भट ने प्रभासाक्षी से बात करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बच्चों की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा कि जानकारीपूर्ण संदेशों से सुसज्जित ट्रक श्रीनगर में 5 हॉटस्पॉट की यात्रा करेगा। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या से निपटा जा सकता है।

रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री, बीजेपी विधायक दल की बैठक में नाम पर लगी मुहर

एलजी से मिलकर सरकार बनाने का दावा किया पेश आज लेंगी शपथ

चुनौतियां

▶▶अपने चुनावी वादों को पूरा करने से लेकर वित्त प्रबंधन से लेकर राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे के विकास तक नई सरकार के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी होंगी।

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। बुधवार शाम विधायक दल की बैठक में इसका ऐलान किया गया। उन्होंने एलजी से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। हमने बताया था कि फरर ने रेखा गुप्ता का नाम सुझाया था, जिसे भाजपा ने मान लिया है।पार्टी ने रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ को पर्यवेक्षक बनाया था। दोनों ने विधायक दल की बैठक से पहले भाजपा के सभी विधायकों से एक-एक करके बात की। इसके बाद विधायक दल की बैठक में सतीश उपाध्याय और विजेंद्र गुप्ता ने रेखा गुप्ता के नाम का प्रस्ताव रखा, फिर सीएम के नाम का ऐलान किया गया। पहले खबर आई थी कि प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम और विजेंद्र गुप्ता विधानसभा स्पीकर होंगे। लेकिन, इसकी भाजपा ने पुष्टि नहीं की है। बैठक में सिर्फ सीएम ही चुना गया। मुख्यमंत्री की शपथ गुरुवार (20 फरवरी) को रामलीला मैदान में दोपहर 12:35 बजे होगी। दिल्ली के मुख्य सचिव की तरफ से भेजे गए निमंत्रण में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रियों की शपथ का भी जिक्र है। कार्यक्रम में 30 हजार मेहमानों के शामिल होने की उम्मीद है। भाजपा और एनडीए की 21 राज्यों में सरकार हैं, इनमें रेखा गुप्ता एकमात्र महिला सीएम होंगी। अपने चुनावी वादों को पूरा करने से लेकर वित्त प्रबंधन से लेकर राष्ट्रीय राजधानी के बुनियादी ढांचे के विकास तक नई सरकार के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी होंगी। भाजपा के सबसे बड़े चुनावी वादों में से एक यह था कि उसकी सरकार 8 मार्च तक पात्र महिला लाभार्थियों को 2,500 रुपये का वितरण करेगी। अपने एक अभियान भाषण में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हमने अपनी बहनों को 2,500 रुपये देने का वादा किया है। यह गारंटी पूरी हो जाएगी क्योंकि यह मोदी की गारंटी है। आप देखेंगे कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनेगी और 8 मार्च, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्हें (महिलाओं को) उनके खातों में पैसा मिलना शुरू हो जाएगा।

'अखंड भारत के प्रणेता और महान विजेता शिवाजी को नमन', सीएम फडणवीस ने दी श्रद्धांजलि

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने भी दी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर श्रद्धांजलि

"शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवनेरी किले में 'पालना समारोह' में शामिल हुए। इस दौरान सीएम ने कहा- वे सच्चे अर्थों में प्रबंधन गुरु थे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के तहत महाराष्ट्र के 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का दर्जा देने के लिए नामित किया गया है।

एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें प्रबंधन गुरु - कुशल प्रशासक भी बताया, जिन्होंने कल्याणकारी राज्य चलाने का उदाहरण प्रस्तुत किया। सीएम फडणवीस ने पुणे के शिवनेरी किले में मराठा राजा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- शिवाजी महाराज ने न केवल 'स्वराज्य' की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई। बता दें कि, महान मराठा योद्धा का जन्म 19 फरवरी, 1630 को जिले की जुन्नार तहसील के शिवनेरी में हुआ था। शिवाजी महाराज की जयंती मनाने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवनेरी किले में 'पालना समारोह' समेत कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में मराठा राजा के अनुयायी भी उनकी 395वीं जयंती समारोह में भाग लेने के लिए किले में जमा हुए थे। इस मौके पर वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम फडणवीस ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज केवल योद्धा ही नहीं थे, बल्कि एक कुशल प्रशासक भी थे, जिन्होंने कल्याणकारी राज्य चलाने का उदाहरण प्रस्तुत किया।

डिबेट के लिए केंद्रीय मंत्री बिट्टू मान के आवास पहुंचे

पंजाब सीएम की सिक्योरिटी ने घुसने नहीं दिया; आधे घंटे तक हंगामा, बहस और हाथापाई

"केंद्रीय राज्य मंत्री ने आगे कहा कि अधिकारियों ने पायलट वाहन के चालक को जबरन वाहन से उतार दिया. इसके बाद जब वह गाड़ी से उतरे तो पुलिस अधिकारी उनके सुरक्षाकर्मियों से उलझ गए. बिट्टू ने कहा कि मैं यहां अकेले आया हूं तो उन्होंने मुझे गाली दी. इस पर उन्होंने कहा अगर तुम मुझे रोकना चाहते हो, तो रोको. मैं गृह विभाग से शिकायत करूंगा.

एजेंसी

चंडीगढ़ , केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से डिबेट करने के लिए उनके आवास पर पहुंचे। सुरक्षा कर्मचारियों ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया। गेट पर ही उन्हें रोक लिया। इसे लेकर बिट्टू की सिक्योरिटी और चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों के बीच हाथापाई और धक्का-मुक्की तक हो गई। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों का कहना था कि उनके पास परमिशन नहीं थी इसलिए बिट्टू का काफिला रोक दिया। अधिकारियों ने पायलट गाड़ी के ड्राइवर को जबरन उतारने की कोशिश की। बिट्टू गाड़ी से उतरकर आए तो भी पुलिस अधिकारी सिक्योरिटी अफसर से बहस करते रहे। बिट्टू ने कहा,' मैं अकेला यहां आया था। इन्होंने गालियां दीं। अगर मुझे डिटेन करना है तो कर लो। मैं गृह विभाग को शिकायत दूंगा।

वो लोग वीआईपी कल्चर की बात करते हैं, जो मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए :सीएम योगी

योगी बोले- मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में 37 मौतें हुई:संगम पर भगदड़ में 30 और बाकी जगह 7 श्रद्धालु मारे गए; विधानसभा में दिया जवाब

"कुम्भ आयोजनों की तुलना करते हुए सीएम योगी ने दिया विपक्ष को जवाब. मौनी अमावस्या की घटना पर प्रशासन ने दिखाई तत्परता: सीएम योगी. कुम्भ की सफलता में संतों और श्रद्धालुओं की महत्वपूर्ण भूमिका: सीएम योगी.

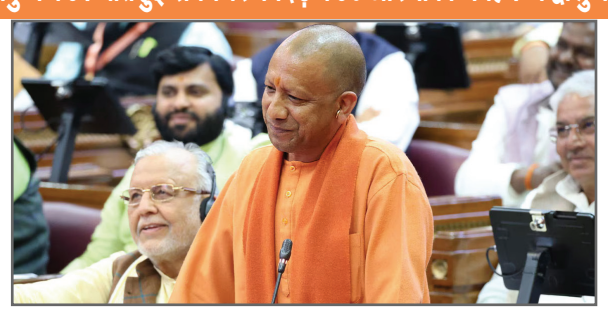

☞ सीएम योगी ने विपक्ष को दुष्प्रचार की राजनीति से बचने की दी नसीहत. राजनीति में प्रहसन जरूरी, लेकिन प्रहसन को ही राजनीति बनाना न्याय नहीं : सीएम योगी.

☞ आध्यात्मिक भव्यता और प्रशासनिक सफलता का प्रतीक है प्रयागराज महाकुम्भ :सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ : विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज महाकुम्भ 2025 की ऐतिहासिक भव्यता, प्रशासनिक सफलता और इससे जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ को भारतीय संस्कृति की अद्वितीय धरोहर बताते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का विश्वस्तरीय प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ आध्यात्मिक भव्यता और प्रशासनिक सफलता का प्रतीक बना है। प्रयागराज के हिमालयन इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में किए गए महाकुम्भ की भव्यता का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के मानस पटल पर महाकुम्भ एक आध्यात्मिक जागृति लेकर आता है। उन्होंने कहा कि यह न केवल आस्था का पर्व, बल्कि सनातन धर्म की अद्वितीय विशेषताओं का जीवंत उदाहरण है। महाकुम्भ की विशालता और भव्यता इस बार अभूतपूर्व रही, जिसमें सभी जाति, धर्म और विचारधाराओं के लोग सहभागिता कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ का आयोजन भारत की आध्यात्मिक संपदा और सभ्यता की आराधना का स्वरूप है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

"सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, नए कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 19 मार्च, 2025 को सुनवाई हो सकती है.

एजेंसी

नई दिल्ली: चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज (बुधवार) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई. खबर के मुताबिक, समय की कमी के कारण आज सुनवाई नहीं हो पाई. यह मामला आज न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच के समक्ष आया. उन्होंने मामले की जल्द सुनवाई का आश्वासन दिया. एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने आज शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए मौखिक रूप से बेंच के समक्ष मामले का उल्लेख किया. भूषण ने कहा कि, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत पहले ही एक नए सीईसी और एक ईसी की नियुक्ति की जा चुकी है।

दीया मिर्जा ने पेश किया राजस्थान के पर्यटन को पंख लगाने वाला बजट

लोक गायकों के लिए बड़ी घोषणा

▶▶वित्त मंत्री व डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने बजट पेश किया। जारी इस बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने और विकास कार्यों के लिए 975 करोड़ रुपए की घोषणाएं की है। तो वहीं, आदिवासी बाहुल्य इलाके के धार्मिक स्थानों को 100 करोड़ की लागत से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किए जाने की घोषणा की है।

कुल 975 करोड़ रुपए की हुई घोषणा

एजेंसी

राजस्थान, बुधवार को राजस्थान की वित्त मंत्री व डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने बजट पेश किया। जारी इस बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने और विकास कार्यों के लिए 975 करोड़ रुपए की घोषणाएं की है। तो वहीं, आदिवासी बाहुल्य इलाके के धार्मिक स्थानों को 100 करोड़ की लागत से ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किए जाने की घोषणा की है। जिसमें चित्तौड़गढ़ जिले मातृकुंडिया, बांसवाड़ा जिले की मानगढ़ धाम और त्रिपुरा सुंदरी, प्रतापगढ़ के गौतमेश्वर मंदिर, सीता माता अभ्यारण, उदयपुर जिले के ऋषभदेव सहित कई प्रमुख स्थलों को शामिल किया गया है।

बजट में धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 975 करोड़ रुपए के विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कार्यों की घोषणा की है। इसके तहत प्रदेश में धार्मिक स्थलों के साथ-साथ ऐतिहासिक और इको-टूरिज्म स्थलों का भी विकास किया जाएगा।

वकीलों ने एकता कपूर से पद्मश्री सम्मान वापस लेने का राष्ट्रपति से आग्रह किया

"देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने-अपने (कार्य) क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

एजेंसी

नई दिल्ली: वकीलों ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर फिल्म व टीवी निमार्ता एकता कपूर द्वारा अनुचित और अश्लील सामग्री का निर्माण किये जाने का दावा करते हुए उनसे पद्मश्री सम्मान वापस लेने का आग्रह किया है। देशभर के 108 वकीलों द्वारा लिखे गए पत्र में दावा किया गया है कि कपूर की वेब सीरीज ने नैतिक मूल्यों को काफी नुकसान पहुंचाया है व भारतीय रिश्तों की पवित्रता को धूमिल करते हुए सांस्कृतिक परंपराओं का अनादर किया है।इसमें दावा किया गया है कि देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने-अपने (कार्य) क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

क्लीनचिट **लोकायुक्त से मिली क्लीनचिट**

जमीन घोटाले में कर्नाटक सीएम सिद्धामरैया को बड़ी राहत

एजेंसी

"बेंगलुरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद सितंबर 2024 में शुरू की गई लोकायुक्त जांच का नेतृत्व मैसूर लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश ने किया था। अधिकारियों ने नौकरशाहों, राजनेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, मुदा अधिकारियों और सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती और बहनोई बीएम मल्लिकार्जुन स्वामी जैसे प्रमुख लोगों सहित 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी। उनके बयानों को वीडियो रिकॉर्ड किया गया और अंतिम रिपोर्ट में दर्ज किया गया।

नयी दिल्ली। लोकायुक्त पुलिस ने कहा कि एमयूडीए मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। लोकायुता पुलिस द्वारा यह स्वीकारोक्ति एजेंसी द्वारा जांच के लिए बेंगलुरु स्थित अपने मुख्यालय को अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लगभग एक सप्ताह बाद आई है। यह रिपोर्ट सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार से जुड़े मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन मामले की 138 दिनों की व्यापक जांच के बाद प्रस्तुत की गई थी। बेंगलुरु में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद सितंबर 2024 में शुरू की गई लोकायुक्त जांच का नेतृत्व मैसूर लोकायुक्त के पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश ने किया था। अधिकारियों ने नौकरशाहों, राजनेताओं, सेवानिवृत्त अधिकारियों, मुदा अधिकारियों और सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती और बहनोई बीएम मल्लिकार्जुन स्वामी जैसे प्रमुख लोगों सहित 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की थी। उनके बयानों को वीडियो रिकॉर्ड किया गया और अंतिम रिपोर्ट में दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुल मिलाकर, विवादित संपत्ति, साइट आवंटन और अधिसूचना प्रक्रियाओं से संबंधित 3,000 से अधिक पृष्ठों के दस्तावेजों का अध्ययन किया गया। विशेष अदालत ने पिछले साल 27 सितंबर को सिद्धारमैया और तीन अन्य के खिलाफ एफआईआर का निर्देश दिया था, जो कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत द्वारा सिद्धारमैया की जांच की अनुमति देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर आधारित थी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा। जांच में आईपीसी, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम और कर्नाटक भूमि कब्जा निषेध अधिनियम के तहत कथित उल्लंघन शामिल हैं। एक अन्य मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को भी हाईकोर्ट से राहत मिली है. जस्टिस नागप्रसन्ना ने पूर्व सीएम येदियुरप्पा को पॉस्को केस में अग्रिम जमानत दे दी. लेकिन, हाईकोर्ट ने नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो केस को खारिज करने से मना कर दिया. गौरतलब है कि यह मामला 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि पूर्व मुख्यमंत्री ने उनकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था जब वे इस फरवरी में मदद मांगने के लिए उनके बेंगलुरु आवास पर गए थे. येदियुरप्पा के खिलाफ 14 मार्च को सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में पोक्सो अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत शिकायत भी दर्ज की गई थी।

पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसते हुए राज्य में 52 पुलिस अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया

○ आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की।

एजेंसी

नयी दिल्ली। पंजाब पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने कदाचार के दोषी पाए गए 52 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करके सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई अनियमितताओं के आरोप में मुक्तसर के जिला आयुक्त को निलंबित किए जाने के दो दिन बाद की गई है। पंजाब के शासन में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है - जो भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य की लड़ाई को फिर से परिभाषित कर सकता है। आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा नई दिल्ली में पंजाब के विधायकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करने के कुछ ही दिनों बाद, राज्य सरकार ने सोमवार को भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई की। एक नाटकीय फेरबदल में, पंजाब के शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारी, राज्य सतर्कता ब्यूरो के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार को कथित तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी निष्क्रियता के कारण उनके पद से हटा दिया गया है; जबकि श्री मुक्तसर साहिब के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) राजेश त्रिपाठी को भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। सर्जिकल सटीकता के साथ की गई इस कार्रवाई को आप विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का सीधा नतीजा माना जा रहा है।

सम्पादकीय

बढ़ानी होगी सरकारी खर्च की गुणवत्ता, तभी बढ़ेंगी अर्थव्यवस्था की क्षमताएं

अमेरिका पर दुनिया भर के तमाम मामलों मे दखलंदाजी के आरोप लगते रहे हैं। बीते दिनों बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी हस्तक्षेप की बातें सामने आईं। भारत में भी चुनावों एवं मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने के मामले में बड़ी रकम दांव पर लगाने की बात सामने आई है। अपने ऐसे अभियानों को सफल बनाने से लिए अमेरिका को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। यह रकम मुख्य रूप से सरकारी खजाने से आती है। इसलिए कोई हैरानी की बात नहीं कि इस सरकारी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के पक्ष में वहां तमाम आवाजें बुलंद हो रही हैं। इसी सिलसिले में ट्रंप प्रशासन एलन मस्क की अगुआई में डिपार्टमेंट आफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) यानी सरकारी दक्षता विभाग के जरिये बड़ी उम्मीदें लगाए हुए है। इसमें अनावश्यक नौकरशाही के आकार को घटाने से लेकर फिजूलखर्च रोकने के उपाय तलाशे जाएंगे। डीओजीई की इस पहल ने दुनिया भर में सरकारी मशीनरी के दायरे को लेकर नए सिरे से सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत भी ऐसे सवालों से अछूता नहीं है, लेकिन अगर इस पर गहराई से विचार करें तो क्या भारत में सरकारी खर्च को घटाया जाना आवश्यक है? इसका जवाब है-नहीं। आंकड़े स्वयं इसकी पुष्टि करते हैं। अगर वर्ष 2022 के दौरान भारत में सरकारी खर्च का आंकड़ा देखें तो यह जीडीपी का 28.62 प्रतिशत रहा। यह चीन (33.4 प्रतिशत), ब्राजील (46.38 प्रतिशत), अमेरिका (36.2 प्रतिशत) और फ्रांस (58.32 प्रतिशत) जैसे देशों की तुलना में काफी कम है। ऐसे में आवश्यकता सरकारी खर्च को घटाने की नहीं, बल्कि उसे प्रभावी रूप से खर्च करने की है। पूंजीगत व्यय में सड़क और राजमार्गों को ही लें तो उन पर किया जाने वाला खर्च बहुत गुणात्मक प्रभाव वाला होता है। इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है कि सड़कों पर किया जाने वाला एक रुपये का खर्च समग्र अर्थव्यवस्था में ढाई रुपये के बराबर लाभ दिलाने वाला होता है। इससे कनेक्टिविटी की स्थिति सुधरती है। परिवहन लागत घटती है और उत्पादकता में वृद्धि होती है। हालांकि यह गुणात्मक प्रभाव पूरी तरह इसी पर निर्भर करता है कि उसे कितनी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ खर्च किया जाता है, क्योंकि यदि उसमें हीलाहवाली की जाती है तो फिर उसके अपेक्षित लाभ प्राप्त होने से रहे। हालांकि पिछले एक दशक में सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि बुनियादी ढांचे में न केवल मात्रात्मक, बल्कि गुणात्मक रूप से भी सुधार हो। इसके बावजूद, यह पूरी प्रक्रिया अभी प्रगति में ही है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि केंद्रीय और राज्य स्तर पर लोक निर्माण के सभी कार्य गुणवत्ता से परिपूर्ण हों।

आज का विचार

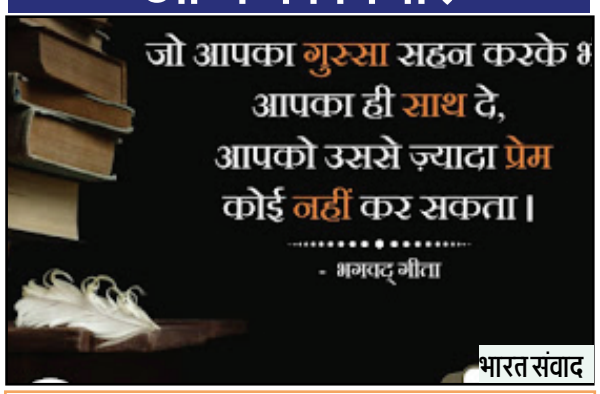

राशिफल

मेष : आज भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृष : वृष आज कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

मिथुन : आज ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा।

कन्या : आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

तुला : आज स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक : आज रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

धनु : आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है।

मकर : आज शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कुंभ : आज आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी।

मीन : आज विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी। धनार्जन सुगम होगा।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भगदड़ की घटनाओं से त्रस्त भारत, अव्यवस्था के कारण जाती कई जान

बीते वर्ष 2 जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। घटना की जांच के बाद पुलिस ने जो चार्जशीट दाखिल की उसमें आयोजन की अनुमति मांगने वालों को तो भगदड़ का जिम्मेदार माना गया लेकिन बाबा की कोई गलती नहीं पाई गई।

भारत सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होना चाहिए कि यहां के लोग भीड़ वाले स्थानों में बदइंतजामी के कारण रह-रह कर मरते रहें। दुर्भाग्य से ऐसा ही हो रहा है। बीते दिनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्लेटफार्म पर भगदड़ मचने से 18 लोग मारे गए और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए। इनमें अधिकांश वे थे, जो प्रयागराज जाने के लिए आए थे। इसके पहले महाकुंभ में भी मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ मचने से 30 लोग मारे गए थे। भगदड़ वहीं मचती है, जहां भीड़ के साथ अव्यवस्था भी होती है और भीड़ नियंत्रण के उपाय नाकाफी या नदारद होते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी, लेकिन भीड़ नियंत्रण के उपाय नदारद थे। रेलवे की ओर से कितना भी कहा जाए कि ऐसा नहीं था, लेकिन सच यही है कि इसकी परवाह नहीं की गई कि रेल यात्री सुरक्षित और सुगम तरीके से यात्रा कर सकें। इसकी पुष्टि भगदड़ में मौतों के बाद रेलवे की ओर से किए गए इन उपायों से होती है कि अब प्रयागराज जाने वाली ट्रेनें निर्धारित प्लेटफार्म से जाएंगी, यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे और इतनी से इतनी अवधि के बीच प्लेटफार्म टिकट नहीं दिए जाएंगे। इससे क्या साबित होता है? केवल यही कि हादसे के बाद होश आया। यदि ये सारे उपाय पहले कर लिए जाते तो 18 जिंदगियों को असमय काल के गाल में जाने से बचाया जा सकता था। देश की राजधानी में प्रमुखतम रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के उपायों की अनदेखी और उसके चलते 18 यात्रियों की मौत से भी खराब बात यह रही कि हादसे के बाद अधिकारी भगदड़ मचने और उसमें यात्रियों के मारे जाने-घायल होने की बात छिपाने के जतन करते रहे। अभी तक उनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई की सूचना नहीं है। इसी कारण इस पर यकीन करना कठिन है कि जांच सही तरह होगी और लापरवाह अधिकारी दंड के पात्र बनेंगे। महाकुंभ में भगदड़ से 30 श्रद्धालुओं की मौत की भी जांच हो रही है। जांच पुलिस भी कर रही है और न्यायिक आयोग भी। पता नहीं कि इन दोनों जांच से क्या सामने आएगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि महाकुंभ में भगदड़ के करीब 15 घंटे बाद यह बताया गया कि 30 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इसके उपरांत मृतकों की सूची और मृत्यु प्रमाणपत्र देने में भी देरी की खबरें आईं। इसके चलते विपक्षी नेताओं को यह आरोप लगाने का अवसर मिला कि महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों का सही आंकड़ा छिपाया जा रहा है। अपने देश में यह सदैव देखने को मिलता है कि सरकारी अधिकारी पहले तो किसी घटना-दुर्घटना की गंभीरता कम करके बताते हैं और फिर उसमें मारे गए लोगों का विवरण देने में। यह हमारी नौकरशाही की वह विचित्र प्रवृत्ति है, जो दूर होने का नाम नहीं ले रही है। इसी कारण उन जांच पर भी भरोसा नहीं होता, जिनमें अधिकारी ही अधिकारी की जांच करते हैं। जब भी कहीं भीड़ भरे स्थलों में कोई हादसा होता है और उसमें लोग मारे जाते हैं तो घटना की जांच करने-कराने वालों से यही सुनने को मिलता है कि इस पर भी ध्यान दिया जाएगा कि भविष्य में इस तरह के हादसों को कैसे रोका जाए? ऐसा केवल सुनने को ही मिलता है, क्योंकि बार-बार वैसे ही हादसे होते रहते हैं, जैसे पहले हो चुके होते हैं। कभी-कभी तो उन्हीं स्थलों पर हो जाते हैं, जहां पहले हो चुके होते हैं। इसका उदाहरण कुंभ भी है और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भी। भगदड़ की घटनाओं में जब लोग मारे जाते हैं तो केवल जनहानि ही नहीं होती, बल्कि देश की बदनामी भी होती है। एक ऐसे समय जब देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बातों के साथ इसके लिए प्रयत्न भी हो रहे हैं, तब फिर सार्वजनिक स्थलों में भीड़ नियंत्रण के उपाय प्राथमिकता के आधार पर किए जाने चाहिए। हमारे नीति-नियंता इन उपायों से अनभिज्ञ नहीं और सच तो यह है कि भीड़ नियंत्रण के नियम-कानून भी बने हुए हैं, लेकिन उनका पालन मुश्किल से होता है। अपने यहां नियम-कानूनों के उल्लंघन की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है, लेकिन इसका कारण केवल यह नहीं कि लोगों को उनकी परवाह नहीं होती, बल्कि यह भी है कि शासन-प्रशासन के स्तर पर उनके अनुपालन पर जोर नहीं दिया जाता। प्राय: यह अनुपालन मनचाहे तरीके से होता है। बीते वर्ष 2 जुलाई को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में सूरजपाल उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। घटना की जांच के बाद पुलिस ने जो चार्जशीट दाखिल की, उसमें आयोजन की अनुमति मांगने वालों को तो भगदड़ का जिम्मेदार माना गया, लेकिन बाबा की कोई गलती नहीं पाई गई। उनका नाम एफआइआर तक में नहीं था। इसके विपरीत जब अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा-2 के प्रीमियर के समय थियेटर में भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई थी तो अभिनेता को गिरफ्तार कर लिया गया था। कहना कठिन है कि एक जैसे मामले में अलग-अलग तरह की कार्रवाई में कौन उचित थी और कौन नहीं, लेकिन अपने देश में भगदड़ जनित घटनाओं में कार्रवाई होने या न होने के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि ऐसे हादसों से जरूरी सबक सीखे जा रहे हैं। यही सबसे बड़ी त्रासदी है।

भूख की कड़वी सच्चाई और भोजन की बबार्दी का समीकरण।

संजीव ठाकुर

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2024 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता है संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया ,टीवी और करोना 2021,23 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैं संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55%, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24% तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24% भोजन बर्बाद हुआ है पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैं बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो ,अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो ,श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बबार्दी करते आ रहे हैं एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बबार्दी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बबार्दी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बबार्दी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बबार्दी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बबार्दी होती है। अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्कत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वरा शक्ति का भी निरंतर क्षरण हो रहा है ।लगातार रसायनिक खादों रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण मिट्टी की गुणवत्ता तो खराब हो ही रही है। इसके अलावा पर्यावरण एवं वातावरण भी खराब होता जा रहा है एवं खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट छोड़ने से जानवरों की खाने से जानवरों को भी जीवन का खतरा बनते जा रहा है। इससे अन्य संक्रामक बीमारियां भी फैलने का खतरा बढ़ने लगा है। अनाज को अपशिष्ट के रूप में बर्बाद करने से न सिर्फ अनाज बर्बाद होता है बल्कि किसान की मेहनत जमीन का क्षरण उसमें लगने वाली सिंचाई के लिए पानी की बबार्दी एवं समय का दुरुपयोग भी माना जाता है। हमारे द्वारा जो भोजन का अपशिष्ट पदार्थ कूड़ेदान में छोड़ दिया जाता है उसकी वजह से वैश्विक अनुसंधान से यह बताया गया है की ग्रीन हाउस गैस ने 10 से 15% तक का इजाफा होता है खराब पदार्थों से गैस उत्सर्जन के कारण वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का भी खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। पदार्थ को छोड़ने से वातावरण दूषित होता है एवं संक्रामक बीमारियां न सिर्फ जानवरों में बल्कि इंसानों में भी तेजी से फैलने लगती है एवं इंसान की मौत तक होने लगी है। संयुक्त राष्ट्र संघ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार यदि भोजन के अपशिष्ट पदार्थ इसी तरह थोड़े जाएंगे तो कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बढ़ सकता है एवं मनुष्य घुट घुट कर जीने के लिए मजबूर हो सकता है। भारत विशेष के संदर्भ में यह केवल देश के नागरिकों को ही सलाह दी जा सकती है कि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा गरीबी वाले देश में अनाज एवं भोजन की बबार्दी से बचें जिससे अनाज का सदुपयोग भूखे तथा जरूरतमंदों को मुहैया कराया जा सके एवं अपशिष्ट पदार्थों छोड़ने से ग्लोबल वार्मिंग तथा हानिकारक संक्रमण से बचा जा सकेगा।

शादी की भेंट चढ़ता प्रतिभावान महिलाओं का कैरियर

विजय गर्ग

आज शादी के बाद लड़कियों से पहले जैसी अपेक्षाएं नहीं रखी जातीं लेकिन कुछ महिलाएं आज भी ससुराल में जद्दोजहद करती हुई पाई जाती हैं। शादी के बाद लड़कियों पर जिम्मेदारी होती है कि वे सास-ससुर की सेवा करें। उनको खुश रखें। रिश्तेदारों के साथ निभाने की जिम्मेदारी भी उन पर ही होती है। इससे उनका काम कई गुना बढ़ जाता है। जो लड़कियां शादी के बाद नौकरी करती भी हैं तो उनको पहले से तीन गुना काम करना पड़ता है। उस समय वो जवान होती हैं, उनका शरीर अच्छे से काम करता है इसलिए हर जिम्मेदारी निभाती रहती हैं लेकिन चालीस की उम्र के बाद उनको कई शारीरिक परेशानियां होने लगती हैं। परिवार का साथ नहीं मिलता तो पचास की उम्र तक आते-आते उनको अपने कैरियर का त्याग करना पड़ता है क्योंकि अपनी शारीरिक परेशानियों की वजह से वो तनाव में रहने लगती हैं। जिसका असर ऑफिस में उनके काम पर पड़ने लगता है। जितना काम वो पहले कर रही होती हैं, उतना नहीं कर पातीं। जाहिर है, इससे कंपनी को परेशानी होगी ही। बार-बार छुट्टियां करने से भी कंपनी को उनसे दिक्कत होने लगती है। इन दिक्कतों के चलते कुछ लड़कियों को अपनी नौकरी छोड़नी पड़ती है। डिटेक्टिव गुरु राहुल राय गुप्ता कहते हैं, हाल ही में हमने अतुल सुभाष का केस देखा। इंटरनेट पर पत्नी पीड़ितों की बाढ़ आ गई। हर कोई महिलाओं को दोषी ठहरा रहा है। मैंने भी इस पर कई बार बात की है और तीखी प्रतिक्रिया दी है लेकिन मैं अपने आसपास कई ऐसी महिलाएं भी देखता हूं, जो बहुत प्रतिभाशाली हैं, बहुत कुछ करने की ताकत रखती हैं लेकिन शादी के बाद उनकी वो ताकत कहीं खो जाती है। पूरे घर परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ जाती है। हमने कभी नहीं सुना कि शादी के बाद किसी लड़के को अपने कैरियर का त्याग करना पड़ा। आजकल एक-दो मिसाल ऐसी सुनने को जरूर मिलती है कि पत्नी के साथ रहने के लिए पति ने अपना ट्रांसफर करवा लिया या जहां पत्नी का ट्रांसफर हुआ, वहां उसके साथ जाने के लिए पति ने अपनी नौकरी छोड़ दी। इन मिसालों को छोड़कर ज्यादातर केसेज में लड़कियों को ही अपने कैरियर का बलिदान देना पड़ता है। मेरे पास ऐसे कितने ही केस आते हैं, जहां बड़ी पोस्ट पर होने के बावजूद लड़कियों के साथ बदसलूकी होती है। वो अपनी जिम्मेदारियां निभाती रहती हैं और पति का अफेयर कहीं और चल रहा होता है। फिर भी पति, सास-ससुर, यहां तक कि उसके अपने पेरेंट्स, उसे ही महत्वाकांक्षी बताकर कटघरे में खड़ा कर देते हैं।

कब बदलेगी हमारी सोच आज लड़कियां हर क्षेत्र में सफल हो रही हैं। बड़े-बड़े पदों पर हैं लेकिन फिर भी कुछ लोगों की सोच नहीं बदली है। वो लड़कियों को कमतर ही समझते हैं। घर में लड़की पैदा होने पर मातम मनाते हैं। कम लोग हैं, जिनके घर में बेटी के जन्म पर खुशियां मनाई जाती हैं। बेल बजाए जाते हैं। मिठाईयां बांटी जाती हैं। कई घरों में आज भी केवल लड़कियों को ही घरेलू काम सिखाए जाते हैं। उनको बताया जाता है कि वो पढ़ाई न करके रसोई का काम करें। आखिर में वही उनके काम आएगा। कुछ घरों में कई पीढ़ियों तक यही सब चलता रहता है। लड़कियों को अपना टैलेंट दिखाने का मौका तक नहीं दिया जाता। ऐसा समाज की गली सड़ी सोच के कारण ही होता है। केवल ससुराल वाले ही नहीं, लड़की के पेरेंट्स और भाई-बहन भी यही सोचते हैं कि ससुराल में जाकर उसे काम तो करना ही पड़ेगा। ये तो उसकी ड्यूटी है। इसी पुरानी सोच के कारण ही बहुत-सी लड़कियां हार मान लेती हैं। वो पहले पेरेंट्स से और बाद में ससुराल वालों से लड़ते-लड़ते थक जाती हैं। फिर एक दिन ऐसा आता है कि वो खुद को उसी माहौल में ढाल लेती हैं।

शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों को राज्य माफ नहीं करेगा : देवेंद्र फडणवीस

- देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें योग्य प्रशासक करार दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी ने एक कल्याणकारी राज्य के संचालन का उदाहरण स्थापित किया था। महान योद्धा शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले की जुन्नर तहसील के शिवनेरी में हुआ था।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई / पुणे । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें योग्य प्रशासक करार दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी ने एक कल्याणकारी राज्य के संचालन का उदाहरण स्थापित किया था। फडणवीस ने पुणे जिले के शिवनेरी किले में मराठा सम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जो लोग छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने की कोशिश करेंगे, उन्हें उनकी ह्यअसली जगहह्ण दिखाई जाएगी और राज्य उन्हें माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने न सिर्फ स्वराज्य की स्थापना की, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की भावना भी जगाई।महान योद्धा शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले की जुन्नर तहसील के शिवनेरी में हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शिवनेरी किले में आयोजित पालना अनुष्ठान समेत विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। मराठा सम्राट की 395वी जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग किले में एकत्र हुए।किले में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा, जब कई राजाओं और राज्यों ने मुगल शासन को स्वीकार कर लिया, तो राजमाता जीजाबाई ने छत्रपति शिवाजी महाराज को ऐसे नेतृत्व के रूप में देखा, जो शोषण और अत्याचार को खत्म करेंगे

कोई कोल्ड वॉर नहीं, सब ठंडा-ठंडा, कूल-कूल, महाराष्ट्र सरकार में अनबन पर एकनाथ शिंदे ने तोड़ी चुप्पी

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच विवाद की खबरें आए दिन सामने आती हैं। अब एकनाथ शिंदे ने किसी भी मतभेद को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि महायुति सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक है और कोई कोल्ड वार नहीं है।

- एकनाथ शिंदे बोले- महायुति में कोई अनबन नहीं
- महायुति सरकार में विवाद की खबरें आती रहती हैं
- फडणवीस ने शिंदे के प्रकोष्ठ का समर्थन किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र केमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच कई बार अनबन देखने को मिली है। इसके बावजूद मंगलवार को डीसीएम शिंदे ने दावा किया है कि हमारे बीच कोई अनबन नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई कोल्ड वार नहीं है। मैं कोई नाराज नहीं हूं। हमारे बीच सब ठंडा-ठंडा, कूल-कूल है। महायुति सरकार बने हुए महज चंद महीने ही हुए हैं, लेकिन सरकार के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चलने की खबर आती रहती है। खासकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच अक्सर विवाद सामने आते रहते हैं। कई बार दोनों नेताओं के बीच अनबन देखने को मिली है।

कई मौकों पर विवाद आया सामने

फडणवीस की कई सरकारी मीटिंग में शिंदे का शामिल नहीं होना। सीएम के समानांतर विभागों की समीक्षा बैठक लेना, वार रूम तैयार करना और अब सीएम के जैसा ही मदद राहत प्रकोष्ठ तैयार करने को लेकर दोनों के बीच तनाव आम बात बन गई है। अब इस मामले में उपमुख्यमंत्री शिंदे ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि महायुति की तीनों पार्टियों में कभी कोल्ड वॉर नहीं होगा और ना हॉट वार होगा। महायुति में कोई मतभेद नहीं है और न मैं नाराज हूं।

चिकित्सा राहत प्रकोष्ठपर बोले शिंदे

मुख्यमंत्री राहत कोष के अस्तित्व के बावजूद मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ की स्थापना करने के बाबत शिंदे ने कहा कि हम जनता के लिए काम कर रहे हैं। महायुति की तीनों पार्टियों का एक ही उद्देश्य है कि जनता की सेवा, जनता के लिए कितना काम हो और तीनों मिलकर काम कर रहे हैं। हम तीनों में कोई मतभेद नही हैं, ना हम नाराज हैं। ये महाविकास आघाडी नहीं है कि मतभेद और कोल्ड वार चलेगा। शिंदे के करीबी सहयोगी मंगेश चिवटे नए चिकित्सा प्रकोष्ठ का नेतृत्व करेंगे।

फडणवीस ने किया समर्थन

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ शुरू करने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है ।

फास्ट ट्रैक

बैड टच समझती है बच्ची... बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे के बर्खास्त लेफ्टिनेंट कर्नल की सजा रखी बरकरार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 11 साल की लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोप में एक पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल को मिली पांच साल कैद की सजा को कायम रखा है। कोर्ट मार्शल के आदेश के तहत यह सजा सुनाई गई थी। फैसले में कोर्ट ने माना है कि नाबालिग को बुरे स्पर्श (बैड टच) के बारे में अच्छी तरह से पता था।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

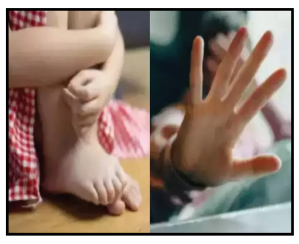

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने POCSO एक्ट के तहत एक बर्खास्त लेफ्टिनेंट कर्नल को 11 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न और यौन शोषण के मामले में पांच साल की कैद की सजा बरकरार रखी है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की बेंच ने सोमवार को कहा, 'पीड़िता-नाबालिग लड़की का बयान विश्वास जगाता है... बैड टच को पहचानने की उसकी सहज प्रवृत्ति पर विश्वास किया जाना चाहिए।' जनरल कोर्ट मार्शल ने दी थी सजा उन्होंने जनवरी 2024 के आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल , मुंबई के आदेश के खिलाफ पूर्व सेना अधिकारी की अपील को खारिज कर दिया। AFT ने मार्च 2021 में जनरल कोर्ट मार्शल द्वारा दी गई न्यूनतम पांच साल की जेल की सजा की पुष्टि की थी। उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की भी सजा सुनाई गई थी। जनवरी 2024 में, लखनऊ के एक जज ने AFT के आदेश पर रोक लगा दी थी। हवलदार को बहाने से भेजा बाहर 1 फरवरी 2020 को पुणे में लेफ्टिनेंस कर्नल को पोस्टिंग मिली थी। जॉइन करने के एक दिन बाद, लेफ्टिनेंट कर्नल ने एक हवलदार को अपने दो बच्चोंको हस्तरेखा दिखाने के लिए बुलाया। हवलदार अपने बेटे और बेटी के साथ पहुंचा। उसने हवलदार को एक पेन लाने के लिए भेजा। पिता कमरे से बाहर चला गया, उसके बाद बेटा भी। दो मिनट बाद, हवलदार वापस आया और उसने अपनी बेटी को रोते हुए पाया।हाई कोर्ट ने क्या कहाबर्खास्त अधिकारी की याचिका में कहा गया है कि उसका कोई बुरा इरादा नहीं था और उसने केवल पिता या दादा के स्नेह के कारण युवा लड़की से किस का अनुरोध किया था।

सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस 19 से 28 फरवरी तक रहेगी निरस्त

19 फरवरी को दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन का मार्ग परिवर्तित

जबलपुर 19 फरवरी। रेल प्रशासन द्वारा महाकुंभ-2025 के दौरान परिचालनिक कारणों से रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद एवं दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित रहेगी, जिसका विवरण निम्नवत है-

प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि से निरस्त रेलगाड़ियाँ :-

1) गाड़ी संख्या 12791/12792 सिकंदराबाद-दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में दिनांक 19 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक निरस्त रहेगी। यह ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, जबलपुर, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गुजरती है।

प्रारम्भिक स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करने की तिथि से मार्ग परिवर्तित रेगाड़ियाँ:-

2) गाड़ी संख्या 15559 दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस दिनाँक 19.02.2025 को अनिर्धारित रूट वाया छपरा-बनारस-प्रयागराज-सतना-कटनी मुड़वारा-बीना की बजाय परिवर्तित मार्ग वाया छपरा-गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेंट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-बीना होकर गंतव्य को जाएगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/ रेल मदद 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके यात्रा प्रारंभ करें।

डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों के बचाव में आए देवेंद्र फडणवीस, बोले- बायर्स के खातिर सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों में घर खरीदने वालों की सुरक्षा के लिए आश्वासन दिया है। उन्होंने बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि जरूरत पड़ने पर सरकार सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। देवेंद्र फडणवीस के बयान से लोगों को राहत मिली है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों में घर खरीदने के बचाव में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस खड़े नजर आ रहे हैं। इन इमारतों को तोड़े जाने की कार्रवाई हाई कोर्ट के आदेश के बाद कल्याण-डोंबिवली मनपा करने वाली है। कई इमारतें तोड़ दी गई हैं, जबकि बाकी पर कार्रवाई होने वाली है।फडणवीस ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो राज्य सरकार असली फ्लैट खरीदारों की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि स्थानीय विधायक और बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने उन्हें स्थिति से अवगत कराया है।

क्या बोले देवेंद्र फडणवीस

फडणवीस ने कहा, 'मैंने पुलिस को बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कुछ इमारतें सरकारी जमीन पर हैं और मुद्दा यह है कि उन्हें कैसे नियमित किया जाए। जहां नियमों को तोड़ा गया और निर्माण हुआ, वहां हम नियमों में ढील देने पर विचार कर सकते हैं। मैंने असली खरीदारों के बारे में पूरी जानकारी ले ली है और हमारा प्रयास उन्हें सुरक्षा प्रदान करना होगा।'

लोगों का फूटा दर्द

वहीं, कल्याण-डोंबिवली मनपा अधिकारी, रजिस्ट्रेशन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई न होने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए लोगों ने कहा कि हमने लाखों रुपये का कर्ज लिया। राष्ट्रीयकृत बैंकों ने हमें घर खरीदने के लिए कर्ज दिया। प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ दिया। मनपा को टैक्स का भुगतान किया, फिर भी हमारी इमारतों को अनधिकृत घोषित करके हमें सड़कों पर लाने की कोशिश की जा रही है। हमारे साथ धोखाधड़ी करने वाला बिल्डर खुलेआम घूम रहा है। निवासियों ने सरकार से न्याय की गुहार लगाई है। इस बीच, KDMC कमिश्नर डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने कहा कि बिल्डिंग में रहने वाले अपने बचाव में सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं, लेकिन वह हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार कार्रवाई जारी रखेंगी। जब जाखड़ से पूछा गया कि इतने बड़े स्तर पर अवैध निर्माण में क्या कोई स्थानीय महानगर पालिका का अधिकारी या कर्मचारी शामिल है।

उद्धव ठाकरे एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने वाले थे, लेकिन शरद पवार... संजय राउत का सनसनीखेज दावा

- एकनाथ शिंदे ने उद्धव पर लगाया था मुख्यमंत्री नहीं बनने का आरोप
- शिंदे की बगावत के पीछे बीजेपी-शरद पवार का विरोध बताया गया
- राउत का आरोप, शिंदे को एमवीए नेताओं ने काम करने से रोका था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः एकनाथ शिंदे ने कहा था कि अगर उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री नहीं बनते तो शिवसेना में विभाजन नहीं होता। हमने कांग्रेस की बाड़ से बंधे धनुष-बाण को बचाने के लिए विद्रोह किया। शिंदे की आलोचना पर बोलते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने सनसनीखेज दावा किया है। राउत ने कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे, लेकिन पहले बीजेपी और बाद में शरद पवार सहित एमवीए सहयोगियों ने इस योजना में खलल डाल दिया। राउत ने मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने (अविभाजित) शिवसेना से मुख्यमंत्री पद साझा करने का वादा नहीं निभाया। यही कारण है कि शिंदे को सरकार का नेतृत्व करने का मौका नहीं मिल सका।

क्या है संजय राउत का दावा?

अविभाजित शिवसेना के तत्कालीन प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर बीजेपी से नाता तोड़ लिया था और कांग्रेस और अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन बनाकर वह मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए थे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सदस्य राउत ने दावा किया कि शिंदे मुख्यमंत्री बनना चाहते थे, लेकिन एमवीए के शीर्ष नेताओं ने उनके अधीन काम करने से इनकार कर दिया। क्योंकि वह उनसे जूनियर थे। (अविभाजित) एनसीपी के तत्कालीन अध्यक्ष शरद पवार और अजित पवार ने शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की योजना का विरोध किया था।

शिवसेना यूबीटी के क्यों बदले मिजाज?

हाल ही में एक कार्यक्रम में शरद पवार का एकनाथ शिंदे की तारीफ करना उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी को रास नहीं आया था। दरअसल शिंदे ने जून 2022 में उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी और शिवसेना से अलग होकर बीजेपी के साथ सरकार बना ली थी। अब वह देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में अजित पवार के साथ उपमुख्यमंत्री हैं।

मध्य रेल पर छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का आयोजनः एक महान नेता की विरासत का सम्मान

मध्य रेल के महाप्रबंधक का महान राजा छत्रपति शिवाजी महाराज को अभिवादन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर, मध्य रेल ने दूरदर्शी मराठा योद्धा, छत्रपति शिवाजी महाराज की चिरस्थायी विरासत का जश्न मनाया, जिनका नेतृत्व, सैन्य प्रतिभा और क्षेत्र की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत में योगदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्मवीर मीना ने महान राजा को उनकी जयंती पर माल्यार्पण कर उनका अभिवादन किया । । सीएसएमटी हेरिटेज बिल्डिंग में महाप्रबंधक द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते ही सीएसएमटी हेरिटेज बिल्डिंग छत्रपति शिवाजी महाराज की जय के नारों से गूंज उठी। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री मीना ने कहा छत्रपति शिवाजी महाराज भारत के सबसे महान राष्ट्रीय नायकों में से एक हैं। उन्होंने हिंदवी स्वराज की नींव रखी जो न्याय, नैतिकता और सहिष्णुता पर आधारित थी। वह वास्तव में एक दयालु, उदार और धर्मनिरपेक्ष राजा थे।इस आयोजन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मार्च 1996 में आया, जब प्रतिष्ठित विक्टोरिया टर्मिनस (VT) का नाम आधिकारिक तौर पर महान राजा के सम्मान में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के रूप में परिवर्तित किया गया, बाद में 2017 में स्टेशन का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) कर दिया गया। यह परिवर्तन महाराष्ट्र के जन साधारण की हार्दिक भावनाओं को दशार्ता है और महाराष्ट्र की पहचान को आकार देने में शिवाजी महाराज की महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। VT स्टेशन का नाम परिवर्तन केवल नाम बदलना ही नहीं है यह, यहाँ के जन साधारण को सुरक्षा की भावना, न्यायपूर्ण और प्रगतिशील राज्य बनाने और नेतृत्व की उनकी अदम्य भावना के प्रति उनकी अथक प्रतिबद्धता को नमन है। त्तपश्चात 7 अप्रैल 2004 को, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया। 1887 में निर्मित यह वास्तुशिल्प, विरासत स्थल वास्तुशिल्प कला मुंबई के श्रेष्ठ विरासत स्थलों में से एक है। एक महत्वपूर्ण रेलवे हब के रूप में, यह लाखों दैनिक यात्रियों और लंबी दूरी के यात्रियों की सेवा में निरंतर लगा हुआ है। इस स्टेशन का केवल नाम बदल गया है, किन्तु मुंबई के व्यस्त रेलवे नेटवर्क के केंद्रीय प्रतीक के रूप में स्टेशन की विरासत की गरिमा आज भी यथावत बनी हुई है। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर, आइए हम उनकी विरासत और उनके नेतृत्व के प्रभाव पर विचार करें। साहस, लचीलापन और अपने लोगों के प्रति कर्तव्य की गहरी भावना के उनके मूल्य हमें भविष्य में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन करते हैं, हमारे समृद्ध इतिहास में उनके योगदान का सम्मान करते हैं। इस अवसर पर मध्य रेल के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

मुंबई के ऑटोरिक्शा में घूम रहा था अमेरिकी दूतावास का फर्जी अधिकारी! महिला डॉक्टर से ठगे इतने लाख रुपये

- खुद को अमेरिकी दूतावास में काम करने वाला अधिकारी बताकर एक महिला डॉक्टर को ठगने वाले व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। विलेपार्ले निवासी 52 वर्षीय महिला डॉक्टर को ऑटो रिक्शे में घूमने वाला यह अधिकारी असली लगा और वह उससे शादी करने की योजना बनाने लगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः खुद को अमेरिकी दूतावास में काम करने वाला अधिकारी बताकर एक महिला डॉक्टर को ठगने वाले व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। विलेपार्ले निवासी 52 वर्षीय महिला डॉक्टर को ऑटो रिक्शे में घूमने वाला यह अधिकारी असली लगा और वह उससे शादी करने की योजना बनाने लगी। महिला को यह अधिकारी कुछ महीने पहले एक वैवाहिक वेबसाइट पर मिला था। शुरूआती बातचीत के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। इससे पहले कि डॉक्टर शादी करती, उसके सामने फर्जी अधिकारी होने का राज खुल गया। आरोपी शैलेश पारिख ने उसे बताया था कि वह वाशिंगटन डीसी स्थित अमेरिकी दूतावास में वरिष्ठ अधिकारी है और वह उससे शादी करना चाहता है।

क्या है मामला?

जुहू पुलिस के मुताबिक, पीड़ित डॉक्टर बांद्रा स्थित एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में काम करती हैं। दिसंबर 2024 में उन्होंने ऑनलाइन वीजा के लिए शैलेश से संपर्क किया। क्योंकि, उसको अपने एक रिश्तेदार के पास अमेरिका जाना था। इसलिए डॉक्टर को लगा कि शैलेश अमेरिकी दूतावास में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी है और वह उनकी वीजा प्रोसेसिंग में मदद कर सकता है। वीजा दिलाने के बारे में बात करने पर शैलेश ने डॉक्टर को मदद का आश्वासन दिया और एक महिला से बात करने को कहा, जिसे उसने अमेरिकी दूतावास में ही काम करने वाली बताया। डॉक्टर ने इस महिला से संपर्क किया तो उसने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की नई सरकार के गठन के कारण अभी वीजा प्रोसेसिंग में देरी हो रही है।

नासिक जेल की अंडा सेल में ही रहेगा पुणे बेकरी ब्लास्ट का आतंकी, बॉम्बे हाई कोर्ट का मिर्जा हिमायत बेग को झटका

पुणे की जर्मन बेकरी विस्फोट मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने दोषी हिमायत बेग को शिफ्ट किए जाने के संबंध में कोई भी आदेश देने से इनकार कर दिया है। बेग को साल 2013 में स्पेशल कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। उसे यूएपीए कानून और आईपीसी की धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था।

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने हिमायत बेग को राहत देने से किया इनकार
- बेग ने एकांतवास के खिलाफ मानसिक स्वास्थ्य का किया था दावा
- जेल में बेग को 'अंडा सेल' में रखा गया है, जो उच्च सुरक्षा वाला है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने साल 2010 के पुणे की जर्मन बेकरी विस्फोट मामले में दोषी हिमायत बेग को राहत देने से इनकार कर दिया है। बेग को पिछले 12 साल से नासिक जेल में एकांतवास में रखा गया है। जिसके खिलाफ बेग ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बेग ने दावा किया था कि एकांतवास का उसकी मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, इसलिए उसे वहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। मगर जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने बेग को कोई राहत देने से मना कर दिया।

बेंच ने कहा कि बेग के मनोवैज्ञानिक आघात के दावे में दम नहीं दिखता। लिहाजा फिलहाल यह चिंता का विषय नजर नहीं आता। जहां तक बात बेग को जेल में काम सौंपने की है, तो इस संबंध में जेल नियमों के तहत निर्णय किया जाए। इससे पहले सरकारी वकील ने कहा था कि गंभीर अपराध (जैसे ब्लास्ट) के दोषियों को दूसरे आरोपियों से अलग रखा जाता है। जेल में एकांतवास की व्यवस्था नहीं है।

हिमायत बेग ने की थी क्या अपील

बेग ने 2018 में नासिक रोड सेंट्रल जेल के माध्यम से एक पत्र लिखा। उसने अपने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की आजीविका में योगदान देने के लिए काम देने का आग्रह किया। बेग का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त वकील मुजाहिद अंसारी ने कहा कि उन्हें 14 साल की कैद का सामना करना पड़ा है। वह एक ₹ अंडा सेल₹ में बंद हैं। उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है और इस सेल के कारण मानसिक रूप से परेशान हैं। अंसारी ने कहा कि अगर उन्हें सामान्य बैरक में स्थानांतरित कर दिया जाता है तो कोई नुकसान नहीं होगा, जहां कोई सुरक्षा जोखिम नहीं है।

सरकारी वकील ने दी यह दलील

सरकारी वकील प्राजक्ता शिंदे ने कहा कि अंडा सेल, एक उच्च सुरक्षा विंग, किसी भी अन्य बैरक की तरह है। इसमें पर्याप्त रोशनी और हवा है। कैदी के व्यायाम के लिए एक रास्ता और लंबा गलियारा है। अन्य कैदी भी हैं जो एक दूसरे के साथ बातचीत कर सकते हैं। मनोरंजन के लिए एक टीवी और ऋट रेडियो प्रदान किया जाता है। कैदियों को दैनिक समाचार पत्र और किताबें उपलब्ध कराई जाती हैं। परिवार के सदस्यों और वकीलों को कॉल करने के लिए सेल में स्मार्ट कार्ड फोन की सुविधा है और यहां तक कि ई-मुलाकात की सुविधा भी है।

कोर्ट ने क्या कहा

जजों ने सितंबर 2012 के एक सर्कुलर का अवलोकन किया। इस सर्कुलर में उच्च जोखिम वाले कैदियों को विशिष्ट सेल/बैरक में रखने का आदेश दिया गया है। महाराष्ट्र के हलफनामे पर ध्यान देते हुए कि जेल में हाथापाई और हमलों की घटनाएं हुई हैं, उन्होंने कहा, 'कैदियों के संबंध में खतरे और धारणा का पता लगाना जेल प्राधिकरण का काम है। चूंकि हम संतुष्ट हैं कि याचिकाकर्ता एकांत कारावास में नहीं है, इसलिए हमें जेल अधिकारियों को याचिकाकर्ता को सामान्य बैरक में स्थानांतरित करने का निर्देश देने का कोई कारण नहीं दिखता है।' उन्होंने निर्देश दिया कि बेग को ₹जेल नियमों/विनियमों के अनुसार काम सौंपा जा सकता है। यह फैसला बेग के लिए एक झटका है, जो सामान्य जीवन में लौटने की उम्मीद कर रहे थे।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए अथवा उनकी ओर से मु.परि.प्र. (वि.) प.म.रे. कोटा निम्न कार्य के लिए खुली मोहरबंद निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा संख्या एवं कार्य का नामः** EL-KTT-प्रोजेक्ट-24-PSSA-1R दिनांक 13.02.2025. पश्चिम मध्य रेलवे के डिप्टी सीईई/प्रोजेक्ट, कोटा, बीपीएल और जेबीपी डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में 2x25kV उन्नयन परियोजनाओं के विभिन्न, साइटों/अनुभागों के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं (पीएसएस) प्रदान करने के लिए प्रस्ताव (आरएफपी) के लिए अनुरोध।, **अनुमानित लागतः** 156663351, **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** दिनांक 10.03.2025 को 15:00 बजे।, **वेबसाइट का विवरण तथा पताः** http://www.ireps.gov.in/ मुख्य परियोजना प्रबंधक (विद्युत) प्रथम तल मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय प.म.रे. कोटा–324002। ऑफर केवल ई–टेंडरिंग के माध्यम से http://www.ireps.gov.in पर स्वीकार किये जायेंगे। निविदा दाता के पास क्लास III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल पर रजिस्टर्ड होना चाहिए। कोई भी निविदा मैनुअली स्वीकार नहीं है। निविदा डालने से पहले टेण्डर दस्तावेजों की स्पेशल कंडीशन व शर्तें अवश्य पढ़ ले।

उप मु. विद्युत अभियंता (परियोजना), पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

अंबरनाथ की महालक्ष्मी नागरी सहकारी पतपेढ़ी संस्थान को कोंकण पतसंस्था भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ स्थित श्री महालक्ष्मी नागरी सहकारी पतपेढ़ी संस्थान को कोंकण पतसंस्था भूषण पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार 15 और 16 फरवरी को विभागीय सहनिबंधक सहकारी संस्था कोंकण विभाग नई मुंबई और कोंकण विभाग नागरी सहकारी संस्था अलीबाग द्वारा आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में प्रदान किया गया। श्री महालक्ष्मी नागरी सहकारी पतपेढ़ी संस्थान को यह पुरस्कार संस्थान की आर्थिक स्थिति, ग्राहक सेवा, सामाजिक क्षेत्र में उसकी भूमिका, समाजकार्य आदि के मानकों के आधार पर श्रेष्ठ पाए जाने पर प्रदान किया गया इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य चुनाव प्राधिकरण पुणे के आयुक्त अनिल कवाड़े, महाराष्ट्र राज्य सहकारी क्रेडिट यूनियन फेडरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष काका साहब कोयटे आदि उपस्थित थे। श्री महालक्ष्मी नागरी सहकारी पतपेढ़ी संस्थान के अध्यक्ष प्रकाश पाटिल ने इस पुरस्कार को प्राप्त करने पर खुशी जाहिर करते हुए इसका श्रेय संस्थान के सभी सदस्यों, ग्राहकों, प्रबंध समिति, कर्मचारियों, अधिकारियों, संचालकों आदि को सम्मिलित रूप से दिया।

जय शिवाजी..जय भारत के नारों से गूंजा ठाणे शहर , 4 हजार से अधिक ठाणेकरों ने पदयात्रा में लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वीं जयंती के अवसर पर, ठाणे शहर से 'जय शिवाजी जय भारत' 6 किमी लंबी पदयात्रा को सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूलों और कॉलेज के छात्रों के साथ-साथ ठाणेकर नागरिकों से अभूतपूर्व समर्थन मिला है। पदयात्रा का पूरा इलाका जय शिवाजी जय भारत जैसे नारों से गूंज उठा। इस यात्रा में चार हजार से अधिक नागरिक शामिल हुए। जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, मनपा आयुक्त सौरभ राव, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर डॉ. संदीप माने, अतिरिक्त मनपा आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, उपायुक्त उमेश बिरारी, जी जी गोदेपुरे, मनीष जोशी, सचिन सांगले, मधुकर बोडके, शंकर पटोले, दिनेश तायडे , प्रभारी उपायुक्त मीनल पलांडे, फायर ब्रिगेड प्रमुख गिरीश झलके, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे सहित सभी सहायक आयुक्त उपस्थित थे। भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय के निर्देश पर यह पदयात्रा जिलाधिकारी ठाणे और मनपा के माध्यम से आयोजित की गई थी। सुबह 7.30 बजे ठाणे शहर से यह पदयात्रा शिव समर्थ स्कूल पटांगना से शुरू की गई। इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में सभी सरकारी संस्थानों के अधिकारी ,कर्मचारी, शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी, एनएसएस, सामाजिक संगठन, ट्रस्ट शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों ने खेल के मैदान पर आउटडोर गेम्स का प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इसके बाद विभिन्न खेलों में विविध प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जिलाधिकारी अशोक शिनगारे, मनपा आयुक्त सौरभ राव, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, बैडमिंटन खिलाड़ी और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्रीकांत वड, कबड्डी में अर्जुन पुरस्कार प्राप्त यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ , मनपा के पीआर ने सम्मानित किया। उपायुक्त मीनल पलांडे, अद्वैता मांगले, उत्कृष्ट बैडमिंटन खिलाड़ी दीप सांबिया, मालविका बंसोड़, शिव छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार विजेता नीलेश सालुंके, लयबद्ध जिमनास्ट और अंतरराष्ट्रीय रेफरी पूजा सुर्वे, शिव छत्रपति राज्य खेल पुरस्कार विजेता श्रद्धा तालेकर, भारोत्तोलन एथलीट मधुरा सिमसाने, जिला खेल अधिकारी सुवर्णा बारटक्के को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी अशोक शिंगारे ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज, जय शिवाजी जय भवानी शब्द बोलते ही सभी में वीरश्री का संचार हो जाता है। आज हम सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 395 वीं जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई। आज का दिन वीरश्री से भरा हुआ है और यह प्रेरणा हमें निरंतर ऊर्जा देती है। उन्होंने कहा कि शिव जयंती का दिन विशेष महत्व रखता है जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की उपलब्धियों का ग्राफ अपनी आंखों के सामने देखते हैं। उन्होंने कहा कि शिव छत्रपति का इतिहास नई पीढ़ी तक पहुंचे इसके लिए इस वर्ष पदयात्रा का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को भव्य पैमाने पर आयोजित करने के लिए ठाणे मनपा की भी सराहना की।

फास्ट ट्रैक

चोरी का ट्रैक्टर एक महीने बाद बरामद

पुलिस की जांच के बाद घटनास्थल पर छोड़ने आया था वाहन, पर पकड़ा गया

तिलहर, शाहजहांपुर के तिलहर कोतवाली क्षेत्र में एक महीने पहले हुई ट्रैक्टर चोरी का मामला सुलझा लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी का ट्रैक्टर भी बरामद हो गया है। घटना तिलहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर स्थित श्याम ईट भट्टे की है। एक महीने पहले रात के समय वहां से महिंद्रा 585 डीलक्स ट्रैक्टर चोरी हो गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और कई लोगों से पूछताछ की। लेकिन ट्रैक्टर का कोई सुराग नहीं मिल सका। एसआई प्रमोद कुमार की टीम ने आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान बदायूं जिले के दातागंज थाना क्षेत्र के गांव बोथरिया निवासी सोमेंद्र मिश्रा के रूप में हुई है। वह राम सिंह का पुत्र है। जांच में पता चला कि सोमेंद्र ने चोरी के बाद ट्रैक्टर को रामगंगा दातागंज की कटरी में छिपा दिया था। जब उसे पता चला कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, तो वह ट्रैक्टर को वापस घटनास्थल के पास छोड़ने आया। इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया। कोतवाली प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि यह सफलता पुलिस की टीम वर्क का नतीजा है। हालांकि, कुछ सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। जैसे कि आरोपी ट्रैक्टर को कहीं भी छोड़ सकता था, लेकिन वह घटनास्थल के पास क्यों आया।

उल्हासनगर मनपा ने संपत्ति कर जमा करने हेतु अंतिम अभय योजना की घोषणा की

नागरिक इस योजना का लाभ 24 फरवरी से 18 मार्च 2025 तक ले सकते हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर.मनपा ने संपत्ति कर दाताओं को राहत देने के लिए अंतिम अभय योजना 2024/2025 की घोषणा की है। यह योजना 24 फरवरी से 18 मार्च तक चलेगी तक चलेगी जिसके जरिए नागरिकों को संपत्ति कर जमा करने पर विलंब शुल्क में एक बड़ी छूट दी जाएगी। इस योजना के समाप्त होने के पश्चात विलंब शुल्क में किसी प्रकार की माफी नहीं की जाएगी। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने लोगों से अपील की है कि इस अंतिम अभय योजना के जरिए संपत्ति कर जमा करके शहर के विकास में अपना योगदान दें और ऐसा न करने पर संपत्ति जब्ती या आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है। अभय योजना तीन चरणों में लागू की जा रही है प्रथम चरण में 24 फरवरी 6 मार्च तक बकाया भुगतान करने पर 100 प्रतिशत विलंब शुल्क माफ रहेगा। दूसरे चरण में 7 मार्च से 12 मार्च भुगतान करने पर 75 प्रतिशत विलंब शुल्क माफ रहेगा। तीसरे चरण में 13 मार्च से 18 मार्च तक भुगतान करने पर 50 प्रतिशत विलंब शुल्क माफ रहेगा। संपत्ति कर जमा करने के लिए विभाग, नागरिक सुविधा केंद्र और कियोस्क सेंटर शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे जहां सुबह 10 बजे शाम 6 बजे तक संपत्ति कर जमा किया जा सकता है। सहायक आयुक्त (कर) अजय साबले, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, कर निर्धारक व संकलक नीलम चंद्रकांत कदम ने जनता से इस योजना का लाभ लेने का आह्वान किया है।

सीधी सेवा भर्ती के नव नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , सीधी सेवा भर्ती-2023 के तहत स्वास्थ्य एवं सामान्य प्रशासन विभाग में सीधी सेवा भर्ती के माध्यम से 19 उम्मीदवारों का चयन किया गया। 17 फरवरी 2025 को जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे द्वारा नियुक्ति आदेश जारी किया गया। जिला चयन समिति के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने सीधी सेवा भर्ती के तहत चयनित सभी अभ्यर्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने उपस्थित उम्मीदवारों को बधाई दी और उनके अच्छे काम की कामना की। स्वास्थ्य विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग में आरोग्य सेवक (महिला) के 07 पद, आरोग्य सेवक (पुरुष) के 07 पद और कनिष्ठ सहायक के 05 पद के लिए कुल 19 नव नियुक्त उम्मीदवारों के लिए आदेश जारी किए गए हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसपी) अविनाश फडतारे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले, मुख्य लेखा और वित्त अधिकारी वैजनाथ बर्डकर, कार्यकारी अभियंता (संरचना) संदीप चव्हाण, कार्यकारी अभियंता (लघु संरचना) दिलीप जोकार, जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. समीर टोडनकर, जिला समाज कल्याण विभाग प्रमुख उज्वला सपकाले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे सहित जिला परिषद के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सीधी सेवा भर्ती के लिए जिला परिषद, ठाणे के अंतर्गत ग्रुप-सी के विभिन्न संवर्गों में 255 पदों के लिए विज्ञापन 5 अगस्त, 2023 को जारी किया गया था। उक्त परीक्षा आईबीपीएस संगठन द्वारा आयोजित की गई थी और चयन योग्यता के आधार पर किया गया था। सभी संवर्गों के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। प्रतीक्षा सूची के अन्य पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन जारी है तथा प्रतीक्षा सूची में चयनित अभ्यर्थियों को शीघ्र ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।

सार्वजनिक शौचालय में गंदगी

लोगों ने नगर पालिका कार्यालय में प्रदर्शन किया, 24 घंटे में समाधान की मांग की

तिलहर, तिलहर नगर पालिका परिषद में सार्वजनिक स्वच्छता की खराब स्थिति को लेकर हिंदू युवा वाहिनी ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजीव कुमार के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बुधवार को नगर पालिका कार्यालय में प्रदर्शन किया। संगठन का मुख्य मुद्दा ब्लॉक गेट पर स्थित पिंक शौचालय का है। लाखों रुपए की लागत से बना यह शौचालय वर्षों से तालाबंद है। इसके अलावा नगर क्षेत्र में बने अन्य सरकारी शौचालयों की स्थिति भी दयनीय है। अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने आरआई सुशांत कुमार से मुलाकात की। संजीव कुमार ने स्पष्ट किया कि 24 घंटे के भीतर पिंक शौचालय का ताला खुलना चाहिए और सभी सार्वजनिक शौचालयों की सफाई होनी चाहिए। उन्होंने नगर में जगह-जगह फैली गंदगी के लिए सफाई निरीक्षक राजीव कुमार को जिम्मेदार ठहराया। आरआई सुशांत कुमार ने समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। लेकिन युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने साफ कर दिया है कि अगर 24 घंटे में स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस स्थिति के लिए नगर पालिका प्रशासन जिम्मेदार होगा।

ट्रक ने युवक को रौंदा, मौत

- साथी घायल, मई में होनी थी शादी; अस्पताल से लौट रहा था घर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा। बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। वहीं साथी गंभीर रुप से घायल हो गया। युवक की पहचान लखीमपुर के मोहम्मदी थाना क्षेत्र के सिसोरा मुकुमपुर गांव अंकित कुमार के रूप में हुई। हादसे में भाई का साला पिंटू गंभीर रूप से घायल हो गया। अंकित गुड़गांव में नौकरी करता था। अपने भाई की पत्नी को देखने शाहजहांपुर के एक प्राइवेट अस्पताल जा रहे थे। जहां उसने एक बेटे को जन्म दिया है। रोजा थाना क्षेत्र के भावलखेड़ा के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। घायल पिंटू को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी राजीव कुमार के अनुसार जांच की जा रही है। परिजनों ने बताया कि अंकित चार भाइयों में तीसरे नंबर के थे। एक सप्ताह पहले ही उनका तिलक हुआ था और मई में शादी होनी थी। दुखद संयोग से अस्पताल में भर्ती उनके भाई की पत्नी के नवजात बच्चे की भी मौत हो गई है। हादसे की खबर से परिवार में कोहराम मच गया है।

चूल्हे की चिंगारी से 3 घरों में लगी आग

- कलान में अनाज समेत लाखों का सामान जला, ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत भरतपुर के मजरा धोबिया नगला में एक बड़ी दुर्घटना हुई। चूल्हे से निकली चिंगारी के कारण तीन छप्परदार घरों में आग लग गई। रामवीर और देवेंद्र सिंह के घर से शुरू हुई आग तेजी से फैलती हुई हरिश्चंद्र की झोपड़ी तक पहुंच गई। आग में रामवीर और देवेंद्र के घर में रखे 16 हजार रुपए नगद, दो जोड़ी पायल, एक पेंडल और लड़की के चांदी के कंगन पूरी तरह जल गए। इसके अलावा घरों में रखा धान, गेहूं और अन्य घरेलू सामान भी आग की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि तब तक तीनों घरों का सारा सामान जलकर राख हो चुका था।

जलकल विभाग की लापरवाही से लोग परेशान

- सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत नहीं, जनजीवन अस्त-व्यस्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

तिलहर, नगर में जलकल विभाग की कार्यप्रणाली से नागरिकों में रोष व्याप्त है। विभाग द्वारा नई जल आपूर्ति लाइन बिछाने के लिए नगर की सड़कों में की जा रही खुदाई से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत न होने से कीचड़ और मिट्टी में फंसकर कई लोग चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय प्रशासन इस समस्या का कोई समाधान नहीं निकाल पा रहा है। नगर की छोटी-बड़ी सड़कों में युद्धस्तर पर खुदाई का काम चल रहा है। नगरपालिका के सभासदों ने मांग की है कि खुदाई के 24 घंटे के भीतर सड़कों की मरम्मत की जाए। लेकिन प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। नगरपालिका सभासद संदीप रस्तोगी ने चेतावनी दी है कि जर्जर सड़कों की वजह से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। जलकल विभाग और नगरपालिका प्रशासन की इस लापरवाही के खिलाफ नागरिकों और सभासदों में गहरा आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

धार्मिक स्थल पर अवैध निमार्ण

विहिप की शिकायत के बाद प्रशासन सख्त, पुलिस बल तैनात

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

तिलहर, निगोही में बारह राणा नामक धार्मिक स्थल पर चल रहे विवाद को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है।

एसडीएम तिलहर जीत सिंह राय और सीओ सदर प्रयांक जैन ने बुधवार को मौके का निरीक्षण किया। दो दिन पहले बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इस स्थल पर हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत की थी। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि बारह राणा एक प्राचीन हिंदू धार्मिक स्थल है। यहां सदियों से हिंदू समाज के लोग पूजा करते आ रहे हैं और जात का मेला भी लगता है। कुछ लोगों द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण से हिंदू श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी के साथ इस निर्माण को रुकवाया और पुलिस को तहरीर दी। उनका दावा है कि बारह राणा का जिक्र ऐतिहासिक दस्तावेजों में भी मिलता है। एसडीएम जीत सिंह राय ने स्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों को निर्माण कार्य न करने का सख्त निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान एक पक्ष के अनुपस्थित होने के कारण वार्ता नहीं हो सकी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

एनसीसी लिमिटेड में हुआ वेतन कटौती का विरोध

कर्मचारियों का आरोप- 10 हजार की जगह 4500 रुपए दे रही कंपनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एनसीसी लिमिटेड के कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों के समर्थन में भाजपा विधायक के भाई भी मौजूद रहे। ग्राम सभाओं में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत कर्मचारियों ने कंपनी पर न्यूनतम मजदूरी से कम वेतन देने का आरोप लगाया है। कर्मचारियों के अनुसार नियुक्ति के समय उन्हें 10 हजार रुपये वेतन मिल रहा था। पिछले तीन महीने से कंपनी ने वेतन घटाकर 4500 रुपये कर दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि कार्य की अवधि और प्रकार में कोई बदलाव नहीं आया है। ऐसे में वेतन में कटौती अनुचित है। कर्मचारियों ने प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर वेतन कटौती नहीं रोकी गई तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इसकी जिम्मेदारी कंपनी और प्रशासन की होगी। प्रशासन ने कर्मचारियों की शिकायत पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सीएचसी में सीएमओ ने औचक निरीक्षण किया:पाई कई खामियां

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लेने प्रभारी एसीएमओ डॉक्टर अंसार अली ने आज औचक निरीक्षण किया। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी ड्यूटी पर अनुपस्थित मिले। प्रभारी सीएमओ ने ओपीडी और उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और तत्काल सफाई के आदेश दिए। स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरों वाला महिला विंग भी है। यहां दो चीफ फार्मासिस्ट की आवश्यकता है - एक सीएचसी के लिए और एक महिला विंग के लिए। वर्तमान में दोनों पद खाली हैं। एकमात्र नियुक्त फार्मासिस्ट जेडी बंसल भी भावल खेड़ा सीएचसी में अटैच हैं। इस गंभीर समस्या पर प्रभारी सीएमओ ने जल्द ही एक चीफ फार्मासिस्ट की नियुक्ति का आश्वासन दिया है। यह नियुक्ति स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

6 अमेरिकी राज्यों में बाढ़, 14 की मौत

कुछ इलाकों में तापमान माइनस 60 डिग्री पहुंचा, भीषण ठंड से जूझ रहे 9 करोड़ लोग

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका के 6 राज्य केन्टकी, जॉर्जिया, वर्जीनिया, पश्चिम वर्जीनिया, टेनेसी और इंडियाना बाढ़ से जूझ रहे हैं। सबसे ज्यादा नुकसान केन्टकी राज्य में हुआ है जहां बीते 6 दिन में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि पश्चिमी वर्जीनिया और जॉर्जिया में एक-एक मौत हुई। सीबीसी न्यूज के मुताबिक अमेरिका के पूर्वी राज्यों में करीब 9 करोड़ लोग पोलर वोर्टेक्स की वजह से भीषण ठंड का सामना कर रहे हैं। यहां तापमान रिकॉर्ड स्तर तक गिर गया है, स्कूल बंद हो गए हैं, पाइप फट गए हैं। 14 हजार से ज्यादा घरों की बिजली ठप हो गई है और 17 हजार जगहों पर पानी की सप्लाई रुक गई। नेशनल वेदर सर्विस के मौसम विज्ञानी एंड्रयू ओरिसन ने

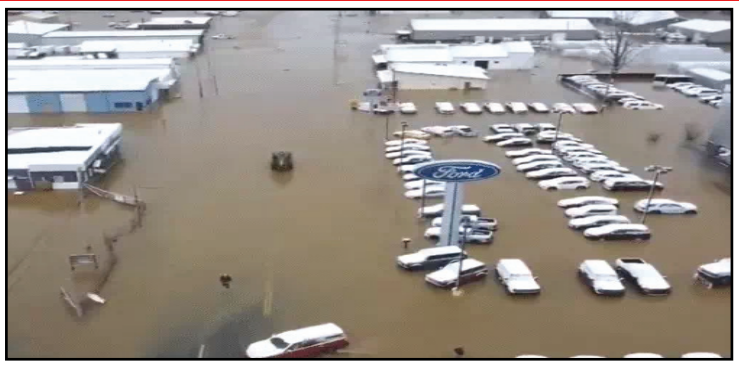

बताया कि मध्य अमेरिका में इस समय सबसे कम तापमान है। मध्य-पश्चिम के कुछ इलाकों में तो तापमान माइनस 50 से माइनस 60 डिग्री तक पहुंच गया है। पश्चिमी वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने बताया कि लगातार बढ़ते जलस्तर की वजह से कई लोग लापता हो गए हैं। केन्टकी और उसके आसपास के इलाके में रेस्क्यू टीम ने 1000 बचाव अभियान चलाए हैं।

केन्टकी में और ज्यादा बढ़ेगा जलस्तर बीते कुछ दिनों में केन्टकी के कुछ हिस्सों में 6 इंच (15 सेमी) तक बारिश हुई, जिसकी वजह से बड़े पैमाने पर बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गई।

बारिश के तेज बहाव की वजह से नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा और गाड़ियां पानी में फंस गईं। नेशनल वेदर सर्विस ने केन्टकी राज्य के लिए चेतावनी जारी कर कहा कि राज्य के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों में नदियों को जलस्तर और बढ़ेगा। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों के तापमान में और ज्यादा गिरावट आएगी। पोलर वोर्टेक्स से जूझ रहा है अमेरिका अमेरिका में आई इस बाढ़ के पीछे पोलर वोर्टेक्स (ध्रुवीय भंवर) के बर्फीले तूफान को प्रमुख वजह माना जा रहा है। अमेरिका के कई राज्य पिछले दो महीने से भीषण ठंडी हवाओं से जूझ रहे हैं। पोलर वोर्टेक्स में हवाएं काउंटर क्लॉकवाइज (घड़ी की उल्टी दिशा) बहती हैं। पोलर वोर्टेक्स अपने जियोलॉजिकल स्ट्रक्चर यानी भौगोलिक संरचना के चलते आमतौर पर नॉर्थ पोल के चारों ओर घूमता है, लेकिन जब यह दक्षिण की तरफ बढ़ता है तो अमेरिका, यूरोप और एशिया में भारी ठंड लाता है। कुछ रिसर्च से पता चला है कि बीते कुछ सालों में आर्कटिक तेजी से गर्म हो रहा है, जिससे पोलर वोर्टेक्स दक्षिण की तरफ शिफ्ट हो रहा है।

अडाणी मामले में अमेरिका ने भारत से मदद मांगी

गौतम और सागर अडाणी को नोटिस देने की कोशिश; कानून मंत्रालय से संपर्क किया

एजेंसी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, अडाणी के खिलाफ धोखाधड़ी और रिश्वत से जुड़े मामले में अमेरिका ने भारत सरकार से मदद मांगी है। अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में बताया कि रिश्वतखोरी मामले में गौतम अडाणी और सागर अडाणी को नोटिस देने के लिए कोशिश की जा रही है। एसईसी ने मंगलवार को कोर्ट में बताया कि उद्योगपति गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी भारत में मौजूद हैं। उन्हें नोटिस देने के लिए भारतीय अधिकारियों से मदद मांगी है। इसके लिए भारत के कानून मंत्रालय

से संपर्क किया जा रहा है। दरअसल, बिजनेसमैन गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर आरोप है कि उन्होंने भारत में रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट को धोखाधड़ी से हासिल किया। ये प्रोजेक्ट पाने के लिए उन्होंने 2 हजार करोड़ रुपए रिश्वत देने का प्लान बनाया था। इस मामले में 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में केस दर्ज हुआ था। अमेरिकी इन्वेस्टर्स से झूठ बोलकर पैसा जुटाने का आरोप धोखाधड़ी का यह मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ था। आरोप था कि अडाणी और बाकी लोगों ने अमेरिकी इन्वेस्टर्स और बैंकों से झूठ बोलकर पैसा इकट्ठा किया। फिर प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,029 करोड़ रुपए रिश्वत देने की योजना बनाई। चार्जशीट के मुताबिक यह अमेरिका के फॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेस एक्ट (एफसीपीए) का उल्लंघन है। खास बात ये है कि अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट के डॉक्यूमेंट में रिश्वत ऑफर करने और प्लानिंग की बात कही गई। रिश्वत दी गई, ऐसा नहीं कहा गया है। अडाणी ग्रुप ने सभी आरोपों को आधारहीन बताया था। 21 नवंबर को जारी बयान में ग्रुप ने कहा था- 'अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के डायरेक्टर्स के खिलाफ यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस और यूनाइटेड स्टेट्स सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं। हम उनका खंडन करते हैं।' इस खबर के आने के बाद अडाणी की नेटवर्थ में 1.02 लाख करोड़ रुपए की कमी आई थी। वहीं केन्या ने अडाणी ग्रुप के साथ बिजली ट्रांसमिशन और एयरपोर्ट विस्तार की डील रद्द कर दी। दोनों डील 21,422 करोड़ रुपए की थीं।

ट्रम्प बोले- यूक्रेन को युद्ध शुरू नहीं करना चाहिए था

बातचीत के रास्ते तीन साल से खुले थे, यूक्रेन ने समय गंवाया

एजेंसी

वॉशिंगटन, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में हुई रूस और अमेरिका के बातचीत पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि बैठक में हमें न बुलाया जाना हैरान करने वाला है। कोई भी डील हमसे बात किए कैसे हो सकती है। इसे लेकर ट्रम्प ने जवाब दिया कि मैं सुन रहा हूं जेलेंस्की कह रहे कि हमने बातचीत में उन्हें शामिल नहीं किया। सच तो ये है कि उनके पास बातचीत करने के लिए तीन साल का वक्त था। उससे पहले भी वे बात कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ये वक्त गंवाया। जेलेंस्की को कभी युद्ध की शुरूआत करनी ही नहीं चाहिए थी। वे बहुत आसानी से डील कर सकते थे। ट्रम्प ने कहा कि जो हुआ है मैं उससे बहुत निराश हूं। मैं तीन साल से देख रहा हूं। ये युद्ध कभी होना ही नहीं चाहिए था। मैं राष्ट्रपति होता तो ये युद्ध नहीं होने देता। इतने लोग मारे गए हैं, जितने वर्ल्ड वॉर में मारे गए थे। ट्रम्प के बयान पर यूक्रेन के सांसद ओलेक्सी होंचारेंको ने कहा कि यह बयान सुनकर दुख हुआ, लेकिन इन हालात में हम अपने साथी के तौर पर अमेरिका को नहीं खो सकते हैं। हम यहां रोज मारे जा रहे हैं। चाहे कोई कुछ भी कहे हमारा मकसद सिर्फ युद्ध को रोकना और यूक्रेन की संप्रभुता बनाए रखना होना चाहिए। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस-अमेरिका बातचीत को लेकर कहा कि रूस ने इस बैठक में हमेशा की तरह फिर झूठ बोला कि उसने यूक्रेन के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को टारगेट नहीं किया है। जेलेंस्की ने यूक्रेनी शहर ओडेसा से एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और लिखा कि रूसी ड्रोन ने यहां के इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसफॉर्मर्स समेत सिविलियन एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को अटैक किया। हमें ये याद रखना होगा कि रूस को चलाने वाले आदतन झूठे हैं।

उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। शांति लाने के लिए हमें उन पर दबाव डालना होगा। जेलेंस्की ने कहा कि जब रियाद में रूस-यूक्रेन यूक्रेन में शांति लाने के लिए बात कर रहे थे, उस वक्त रूस ने यूक्रेन के ओडेशा शहर में ड्रोन से हमला किया। ये हमला इलेक्ट्रिकल ट्रांसफॉर्मर पर किया गया, वो भी इस ठंड में जब रात का तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने कहा कि करीब ओडेसा में रह रहे कम से कम 1.6 लाख लोगों के पास बिना हीट या इलेक्ट्रिसिटी नहीं है। 13 स्कूल, एक किंडरगार्टन और कुछ अस्पतालों में हीट और इलेक्ट्रिसिटी नहीं है। जेलेंस्की ने बताया कि तीन साल से जारी इस युद्ध में यूक्रेन ने करीब 320 अरब डॉलर यानी 27.8 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसमें से करीब 10 लाख करोड़ रुपए यूक्रेनी टैक्सपेयर्स ने दिए हैं, जबकि 17.38 लाख करोड़ रुपए अमेरिका और यूरोप ने दिए हैं। इसके अलावा अमेरिका ने 5.82 लाख करोड़ रुपए के हथियार भी मुहैया कराए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले कहा है कि वे यूक्रेन को दी गई मदद के बदले 500 अरब डॉलर (43.4 लाख करोड़ रुपए) की कीमत के रेयर अर्थ मिनरल्स चाहता है। इसे लेकर जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिका ने कभी 500 अरब डॉलर की मदद नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिका दावा करता है कि यूक्रेन को मिलने वाले सपोर्ट में 90% अमेरिका से आता है, लेकिन सच कुछ और ही है। हालांकि हम उनके सपोर्ट के लिए शुक्रगुजार हैं।

जापानी पीएम पर हमला करने वाले को 10 साल सजा

2 साल पहले रैली में पूर्व पीएम किशिदा पर स्मोक बम फेंका था; बैग से चाकू मिला था

एजेंसी

टोक्यो, जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फोमियो किशिदा पर हमले के दोषी शख्स को 10 साल की सजा सुनाई गई है। बुधवार को वाकायामा जिला अदालत ने सजा का ऐलान किया। हमलावर का नाम रयूजी किमुरा (25) है, उसे 5 आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उसने 15 अप्रैल 2023 को वाकायामा शहर में एक चुनावी रैली के दौरान किशिदा पर एक स्मोक बम फेंका था। हमले में किशिदा बच गए थे, लेकिन 2 अन्य लोग घायल

हुए थे। किमुरा को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके बैग से एक चाकू भी बरामद किया गया था। फरवरी की शुरूआत में मुकदमे की सुनवाई के दौरान, किमुरा ने हत्या की कोशिश के आरोप से इनकार किया था। उसने दावा किया कि उसका इरादा किशिदा को मारने का नहीं था। जापान टाइम्स के मुताबिक किशिदा वाकायामा शहर में एक इलेक्शन रैली में भाषण देने पहुंचे थे। स्थानीय समयानुसार धमाका 15 अप्रैल सुबह 11:30 बजे हुआ। इसके बाद करीब 1 बजे प्रधानमंत्री किशिदा ने वाकायामा शहर में अपनी स्पीच पूरी की। उन्होंने कहा- हम इलेक्शन कैंपन के बीच मौजूद हैं। हमें इसे जारी रखना चाहिए। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 8 जुलाई 2022 को रैली में गोली मारकर हत्या की गई थी। वे आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे। उसी दौरान 42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की थी। उन पर कैमरे जैसी दिखने वाली हैंडमेड गन से हमला किया गया था। फायरिंग के बाद आई फोटो से इसका खुलासा हुआ था। हमलावर ने गन को इस तरह डिजाइन किया था कि वह कैमरे जैसी दिखे। इसके लिए उसने गन पर काली पॉलीथिन को लपेटा था। हमलावर फोटो खींचने के बहाने आबे के करीब आया था। फिर उसने दो गोलियां चलाई थीं।

तमिल गौरव के संरक्षण का दावा करने वालों की खोखली बयानबाजी निंदनीय है: राज्यपाल

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन लोगों की आलोचना की है जो तमिल और संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण का दावा तो करते हैं, लेकिन जिनका वास्तविक तौर पर इसमें कोई योगदान नहीं है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि सही मायने में समृद्ध तमिल साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने और उसके संवर्धन में ही उसका असली सम्मान निहित है। महाकवि सुब्रमण्यम भरतियार की साहित्यिक कृतियों को कालानुक्रमिक रूप से संकलित करने में सीनी विश्वनाथन के योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिलने पर मंगलवार को रवि ने यहां उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राजभवन की पहल पर राष्ट्रीय कवि की एक प्रतिमा स्थापित की गई, एक राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में दरबार हॉल का नाम बदलकर भारतियार मंडपम रखा गया। उन्होंने भारतियार की कृतियों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों में भारतियार को समर्पित किए जाने वाली योजनाओं और पहलों के अभाव पर दुख जताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में भारतियार पीठ की स्थापना कर सकते हैं, तो तमिलनाडु में ऐसी ही पहल क्यों नहीं की जा सकती। रवि ने दावा किया कि कुलपतियों द्वारा इस तरह की पहल करने की इच्छा व्यक्त करने के बावजूद, उन्हें दबाव और धमकियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, महाकवि भारतियार लोगों के दिलों में रहते हैं, फिर भी उनकी विरासत को तमिलनाडु में एक अंधराष्ट्रवादी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा कमजोर किया जा रहा है, जो निरंतर उपेक्षा और शत्रुता के भाव के माध्यम से उनके योगदान को मिटाना चाहता है।

राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन लोगों की आलोचना की है जो तमिल और संस्कृति के संवर्धन एवं संरक्षण का दावा तो करते हैं, लेकिन जिनका वास्तविक तौर पर इसमें कोई योगदान नहीं है। उन्होंने कहा कि सही मायने में समृद्ध तमिल साहित्यिक विरासत को संरक्षित करने और उसके संवर्धन में ही उसका असली सम्मान निहित है।

6 महीने में लड़कियों से अपराध केस में 6 लोगों को मौत की सजा

बंगाल में एंटी रेप बिल से न्याय का 'फास्ट ट्रैक'

पश्चिम बंगाल की अदालतों ने पिछले छह महीनों में नाबालिग लड़कियों के बलात्कार और हत्या के छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। एक मामले में परिवार की हत्या के दोषी को भी मृत्युदंड दिया गया है, जिससे कुल संख्या सात हो गई है।

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की विभिन्न अदालतों ने नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या के मामले में बीते छह महीने में छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इसके अलावा, अपने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के दोषी व्यक्ति को भी मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, जिससे राज्य में पिछले छह महीने में मृत्युदंड की सजा पाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। मृत्युदंड के इन सात में से छह मामलों को लड़कियों से बलात्कार और हत्या के 'दुर्लभ' मामलों की श्रेणी में शामिल किया गया था। इनमें आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता

(आईपीसी) और बाद में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। कोलकाता आरजी कर केस अलग इस सूची में आरजी कर अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले के दोषी संजय रॉय का नाम शामिल नहीं है। कोलकाता की एक अदालत ने 9 अगस्त, 2023 को ड्यूटी पर तैनात प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की बलात्कार के बाद जघन्य हत्या के मामले में दोषी को मौत की सजा नहीं दी। अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा, कक्षा आठ की 14 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध बलात्कार और हत्या का मामला भी इसमें शामिल नहीं है। किशोरी का क्षत-विक्षत शव इस साल सात फरवरी को कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में मिला था। पुलिस ने इस मामले में 22 वर्षीय ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है।

बीस साल पहले आखिरी बार हुई थी फांसी

पश्चिम बंगाल में आखिरी न्यायिक फांसी दो दशक पहले हुई थी। दक्षिण कोलकाता के एक आवासीय इमारत के सुरक्षा गार्ड धनंजय चटर्जी को 16 वर्षीय छात्रा से बलात्कार और हत्या के मामले में अलीपुर जेल में वर्ष 2004 में 15 अगस्त से ठीक पहले फांसी दी गई थी। इस अपराध को मार्च 1990 में अंजाम दिया गया था।

बंगाल के इन मामलों में फांसी

जघन्य अपराध के इन मामलों में सितंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच मौत की सजा सुनाई गई। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की एक पॉक्सो अदालत ने सात सितंबर 2023 को मोहम्मद अब्बास को मौत की सजा सुनाई।

कांग्रेस महासचिव, प्रभारी चुनाव नतीजों के लिए जवाबदेह होंगे: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैंने कार्य समिति की पिछली दो बैठकों में संगठनात्मक सृजन बात की थी। उस कड़ी में कई फैसले लिए जा चुके हैं। कुछ और फैसले जल्दी ही किए जाएंगे।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के भीतर जवाबदेही की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि सभी महासचिव तथा प्रभारी अपने प्रभार वाले राज्यों में संगठन एवं चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे। खरगे ने पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर करने से स्पष्ट है कि सरकार को उनकी निष्पक्षता पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी को लेकर कहा कि इस चुनौती से निपटना होगा। खरगे ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा, कई बार पार्टी की मजबूती के लिए जल्दबाजी में कई लोगों को शामिल कर लिया जाता है लेकिन विचारधारा में कमजोर लोग मुश्किल समय में भाग खड़े होते हैं। ह्यअसल फिसल पड़े और नकल चल पड़ेह्न यह पुरानी कहावत है, ऐसे लोगों से हम दूर रहें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, मैं सबसे जरूरी बात जवाबदेही के बारे में भी आप सभी से कहना चाहूंगा। आप सभी अपने प्रभार वाले राज्यों के संगठन और भविष्य के चुनाव परिणामों के लिए जवाबदेह होंगे।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम बोले- राजनीतिक मतभेदों से उठकर जल सुरक्षा के लिए संयुक्त रणनीति अपनाएं राज्य

26 फरवरी को होगी महत्वपूर्ण बैठक : शिवकुमार ने यह भी घोषणा की कि 26 फरवरी को केंद्रीय मंत्री से एक और बैठक होगी, जिसमें वित्तीय सहायता, 30 मिलियन गैलन पानी के उपयोग की रणनीति, ढाल हटाने से प्रभावित जल आपूर्ति और तुंगभद्रा जल की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी.

उदयपुर में जल सुरक्षा पर सम्मेलन हुआ, जहां जल बचाव, पुनर्चक्रण और विवाद समाधान पर चर्चा की गई.

एजेंसी

उदयपुर : जल संसाधनों की सुरक्षा और सतत प्रबंधन को लेकर राजस्थान के उदयपुर में 18-19 फरवरी को अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया. इस सम्मेलन में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित विभिन्न राज्यों के मंत्री और अधिकारी मौजूद रहे. इस सम्मेलन में जल जीवन मिशन (खखट) के तहत जल को सुरक्षित करने, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग के महत्व पर विशेष चर्चा की गई.जल सुरक्षा पर केंद्रित रणनीतियां : सम्मेलन के बाद मीडिया से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कर्नाटक के जल संबंधी मुद्दों को रखते हुए अंतर्राज्यीय जल

विवादों और नदी जोड़ो परियोजनाओं पर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा, ₹जल को सुरक्षित करना, पुनर्चक्रण करना, बबार्दी रोकना और पुनः उपयोग करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. हमने अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं और अन्य राज्यों से सहयोग मांगा है. हमें राजनीति से ऊपर उठकर जल संरक्षण के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा.कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 26 फरवरी को होगी महत्वपूर्ण बैठक : शिवकुमार ने यह भी घोषणा की कि 26 फरवरी को केंद्रीय मंत्री से एक और बैठक होगी, जिसमें वित्तीय सहायता, 30 मिलियन गैलन पानी के उपयोग की रणनीति, ढाल हटाने से प्रभावित जल आपूर्ति और तुंगभद्रा जल की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहले घोषित की गई वित्तीय योजनाओं को पुनः लागू किया जाए, विशेष रूप से मोदाई और कृष्णा ट्रिब्यूनल अवॉर्ड से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी जाए.जल विवादों के समाधान की अपील : कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने राज्यों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर जल सुरक्षा के लिए एक संयुक्त रणनीति अपनाएं. उन्होंने कहा, ₹हमने अपने प्रस्ताव दिए हैं, सभी मंत्रियों ने अपनी-अपनी समस्याएं उठाई हैं, लेकिन हमारा अनुरोध है कि जल विवादों को राजनीतिक दृष्टिकोण से न देखकर, सभी राज्यों को मिलकर इसका समाधान निकालना चाहिए.

विभिन्न पर्व

पौष पूर्णिमा	मकर संक्रांत	मौनी आमावश्या	बसंत पंचमी	माघी पूर्णिमा	महा शिवरात्री
13/01/2025	14/01/2025	29/01/2025	03/02/2025	12/02/2025	26/02/2025

संक्षेप

दिल्ली जाने से रोका तो युवती ने दी जान

23 साल की लड़की ने साड़ी से फांसी लगाई, शादी टूटने के बाद मायके में रह रही थी

बांदा, मटौध थाना क्षेत्र के चमरहा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 23 वर्षीय युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान रामगोपाल की बेटी बबली के रूप में हुई है। बबली की शादी 13 दिसंबर 2024 को महोबा जिले के चरखारी गांव निवासी छोटेलाल से हुई थी। विदाई के बाद वह केवल चार दिन ससुराल में रही। बबली ने छोटेलाल को अपने लायक नहीं माना। इस वजह से दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से रिश्ता तोड़ दिया। एक-दूसरे को दिया गया सामान भी वापस कर दिया गया। घटना के दिन बबली अपने पड़ोसियों के साथ दिल्ली जाना चाहती थी। उसका बड़ा भाई रंजीत वहीं रहता है। पिता ने उसे दिल्ली जाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि नया रिश्ता तय करना है। इस समय दिल्ली घूमने जाने से रिश्तेदार क्या सोचेंगे? घटना के समय मां चुनूबादी मवेशी लेकर खेत गई थीं। पिता अपने बेटों के साथ खेत की रखवाली कर रहे थे। घर पर केवल 9 वर्षीय नातिन रेशमा थी। बबली ने उसे कुरकुरे लेने दुकान भेजा। इसी दौरान कमरे में छप्पर की धन्नी में साड़ी से फांसी लगा ली।

प्रेमिका की हत्या के बाद प्रेमी की मौत

युवक ने चाकू से किए थे कई वार, गुस्साई भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

बांदा, सबादा गांव में राहुल नाम के लड़के ने गांव की ही एक युवती की चाकू मारकर हत्या कर दी। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने राहुल को लाठियों से इतना पीटा की उसकी भी मौत हो गई। दोनों शवों की हालत इस कदर बिगड़ी थी कि पोस्टमार्टम करने में एक-एक घंटे का समय लगा। रिपोर्ट में सामने आया कि प्रेमिका जाकरीन के गर्दन, सीने, हाथ और पेट पर चाकू से कई वार किए गए थे। वहीं राहुल के शरीर की सारी हड्डियां टूटी हुई पाई गईं। चेहरे से लेकर पांव तक की हड्डियां तोड़ दी गई थी। राहुल ने घायल अवस्था में पुलिस को दिये बयान में बताया कि जाकरीन की शादी दूसरी जगह होने पर वह उसकी बेवफाई बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसकी हत्या कर दी।

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल कैद

14 हजार जुमार्ना भी लगा, नहीं भरा तो बढ़ेगी सजा

बांदा, बांदा में एक दुष्कर्म मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। अपर जिला जज फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम पल्लवी प्रकाश की अदालत ने दोषी मेड़ेलाल को 10 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोषी पर 14 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न भरने की स्थिति में उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह मामला 2017 का है। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक महिला के साथ दुष्कर्म हुआ था।

महाकुंभ आई युवती की गला काटकर हत्या: बाथरूम में मिली लाश

साथ आया युवक फरार; पति-पत्नी बताकर लिया था कमरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ में स्नान करने आई युवती की गला काटकर हत्या कर दी गई है। शव बाथरूम में मिला है। कमरे में खून के छींटे मिले हैं। युवती के साथ आया युवक फरार है। मंगलवार रात 9 बजे दोनों ने झूंसी में एक-दूसरे को पति-पत्नी बताकर कमरा लिया था। बुधवार सुबह जब किराएदार बाथरूम में गए तो वहां शव देखकर चीख पड़े। जिस मकान में शव मिला, उसमें कई किराएदार रहते हैं। बाथरूम कॉमन है। फिलहाल, पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच गई है। दुकानदार और मकान मालिक से पूछताछ चल रही है। यह वारदात आजाद नगर इलाके की है। झूंसी इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया- मकान मालिक वहां नहीं रहता है। सामने जनरल स्टोर वाला मकान की देखभाल करता है। मंगलवार रात नौ बजे युवती एक युवक के साथ पहुंची। दुकानदार से रिक्वेस्ट किया कि दिल्ली से आए हैं। थके हैं। कुछ घंटे के लिए एक कमरा दे दो। दुकानदार ने उन्हें एक कमरा दे दिया। आईडी नहीं ली। आज सुबह युवती का शव मिला।

हत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे की तलाशी ली तो कमरे के अंदर से युवती का सामान गायब मिला। कमरे में कोई बैग और पर्स नहीं मिला। इंस्पेक्टर झूंसी ने बताया- ऐसा लग रहा है कि शिनाख्त छिपाने की कोशिश की गई है। इसलिए युवक सारा सामान लेकर भाग गया।

युवक ने नहीं दिया मोबाइल नंबर

किराए पर मकान देने वाले दुकानदार ने बताया- युवक रात में कमरे लेने आया था। उस समय मैंने उससे मोबाइल नंबर मांगा तो उसने नहीं दिया बोला थोड़ी देर में देता हूं। आईडी भी देता हूं। उसके बाद वह नहीं लौटा।

महाकुंभ में स्नान के बाद झारखंड के श्रद्धालु की मौत

हार्ट अटैक से गई जान, परिवार के साथ आए थे प्रयागराज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, महाकुंभ में स्नान करने आए झारखंड के एक श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतक की पहचान गिरिडीह जिले के पर्वतपुर अहिल्या निवासी राजकुमार महतो (45) के रूप में हुई है। राजकुमार अपनी पत्नी पिंकी, बेटी रेशमी कुमारी, भाई आर्यन और संतोष, भाभी और सास के साथ महाकुंभ में स्नान करने आए थे। स्नान करने के बाद जब वे घर लौट रहे थे, सहसों गोल चौराहे के पास उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन तुरंत उन्हें नजदीकी जेपी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृत्यु का कारण हृदय गति रुकना बताया गया है। परिवार के सदस्य श्रद्धालु की अचानक मौत से सदमे में हैं। अस्पताल से डेथ सर्टिफिकेट मिलने के बाद परिजन शव को एंबुलेंस से अपने गृह नगर ले गए।

जमीनी विवाद में दबंगों का हमला

- रास्ता रोकने से मना किया तो बुजुर्ग महिला समेत तीन लोगों को घर में घुसकर पीटा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, संग्रामपुर थाना क्षेत्र के सोनारीकला गांव में जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सार्वजनिक रास्ता बंद करने से मना करने पर दबंगों ने एक परिवार पर घर मे घुसकर हमला कर दिया। घटना में बुजुर्ग महिला गंगा देई समेत बंशीलाल और राम सजीवन गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि आरोपी सोनू कोरी गांव का प्रधान और कोटेदार है। सोनू अपने साथियों के साथ सार्वजनिक रास्ता बंद कर रहा था। जब गंगा देई ने उन्हें ऐसा करने से रोका, तो धारदार हथियार और लाठी-डंडों से लैस दबंगों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। हमलावर जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। दबंगों के खौफ से कोई ग्रामीण घायलों की मदद के लिए आगे नहीं आया। घायल करीब एक घंटे तक चारपाई और जमीन पर तड़पते रहे। घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं जिसमें एक बुजुर्ग महिला का पैर टूटा हुआ है वह खटिया पर पड़ी है इसके साथ यह अधेड़ जमीन पर पड़ा हुआ है । करीब 2 घंटे बाद संग्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित बंसीलाल ने थाने में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

हनुमान मंदिर में चोरी

मूर्तियां और संगीत का सामान चोरी, सीसीटीवी में कैद चोरों की पहचान स्पष्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कोतवाली नगर क्षेत्र में चोरी की वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां अब भगवान का मंदिर भी चोरों से सुरक्षित नहीं है। पुलिस को चुनौती देते हुए चोर मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। बुधवार को मंदिर में चोरी का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसने पुलिस गश्त पर भी सवाल खड़ा किया है। घटना कोतवाली नगर के शास्त्री नगर स्थित हनुमान मंदिर की है। जहां में रविवार की रात बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने मंदिर से मूर्तियां और संगीत के सामान चुरा लिए। मंगलवार रात करीब 11:30 बजे की है। चोरों की करतूत मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में चोरों की पहचान भी स्पष्ट रूप से दिख रही है। मंदिर संचालक की शिकायत पर कोतवाल नारद मुनि सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। चोरी की कीमत हजारों रुपए आंकी जा रही है। नगर कोतवाली पुलिस चोरों की तलाश में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर रही है और जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास सर्वे को लेकर किसानों में गुस्सा

- भारतीय किसान यूनियन ने दी पंचायत की चेतावनी, बीडीओ को सौंपा 9 सूत्री मांगपत्र

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पीपी कमैचा में भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयतावादी गुट की मासिक बैठक आयोजित की गई। बुधवार को ब्लॉक अध्यक्ष रमेश चंद्र दुबे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास सर्वे का मुद्दा प्रमुख रूप से उठा। किसान पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पात्र व्यक्तियों का सर्वे नहीं किया गया तो वे किसान पंचायत लगाने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। किसान पदाधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी पंकज गौतम को 9 सूत्री मांगपत्र सौंपा। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रमाशंकर चौधरी, जिला महासचिव गौरी शंकर पांडे, राजेंद्र कुमार मिश्रा, अवधेश मिश्रा, वंश राज मौर्य, राम यज्ञ सरोज समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। महिला कार्यकताओं में गीता, सुशीला और प्रमिला भी शामिल रहीं।

तीन माह से फंड नहीं मिला, गौशाला संचालक परेशान

तिलोई में पशुओं के चारे के लिए पैसा नहीं, डीएमको भेजा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, तिलोई ब्लॉक सिंहपुर में गौशालाओं की स्थिति गंभीर हो गई है। पिछले तीन महीनों से सरकारी फंड नहीं मिलने के कारण गौशाला संचालक परेशान हैं। आधा दर्जन से अधिक गौशाला संचालकों ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इनमें दादूपुर के प्रधान रामकिशोर खारा, फुलकली सिंहपुर से सोनिया रानी , रास्ता मऊ से महाजबी, फूला से सरजू पासी, जैतपुर से सुनीता माहिया, सुंदेरिया से अजय सिंह और लौली के सर्वेश विश्वकर्मा ग्राम प्रधान शामिल थे। संचालकों ने बताया कि नवंबर, दिसंबर और जनवरी माह का पशुओं के चारे के लिए धन नहीं मिला है। इससे गौशालाओं में चारे की व्यवस्था करने में कठिनाई हो रही है। पशु भी भूख से परेशान हैं। खंड विकास अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को भेजे ज्ञापन में संचालकों ने 5 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उनका कहना है कि अगर इस अवधि में बकाया राशि नहीं मिली, तो वे गौशालाओं से अपना संबंध खत्म कर लेंगे। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी ब्लॉक से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों पर डाली है।

दो बेटियों की हत्या करने वाली मां गिरफ्तार

- अमरोहा में पूछताछ में बोली- बुखार में दिमाग काम नहीं कर रहा था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमरोहा, नौगांवा बहादुरपुर खुर्द गांव में दो मासूम बेटियों की हत्या के मामले में पुलिस ने मां सोनिया को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 10 फरवरी की है। सोनिया ने दोपहर करीब 12 बजे अपनी दो बेटियों अनुष्का (8) और किट्टो (5) का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी चाकू से अपना गला काट लिया। घायल अवस्था में उसने पति कौपिन को वीडियो कॉल भी किया। सोनिया की बड़ी बहन सोनम ने सबसे पहले घटना को देखा। परिजनों ने तुरंत सोनिया को अस्पताल में भर्ती कराया। पति कौपिन ने सोनिया के खिलाफ बेटियों की हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पूछताछ में सोनिया ने पति से किसी विवाद से इनकार किया। उसने बताया कि उसे तेज बुखार था और दिमाग ने काम करना बंद कर दिया। इसी दौरान उसने आपा खोकर बेटियों की हत्या कर दी।

कौपिन गुरुग्राम की एक फैक्टरी में काम करता है।

केंद्रीय बजट पर भाजपा का विश्लेषण

12 लाख तक आय पर टैक्स नहीं, किसान क्रेडिट कार्ड की बढ़ाई गई सीमा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

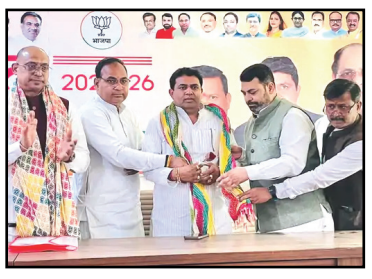

हापुड़, भाजपा जिला कार्यालय प्रीत विहार में बुधवार की शाम केंद्रीय बजट पर बैठक का आयोजन हुआ। क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने बजट की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय को आयकर से मुक्त कर दिया गया है। किसानों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है। एमएसएमई क्षेत्र के लिए बड़े लोन की सुविधा का प्रावधान किया गया है। बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को 74 % से बढ़ाकर 100 % कर दिया गया है। विकास अग्रवाल ने कहा कि यह बजट सभी वर्गों के लिए लाभदायक है। इससे भारत की अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नगर, नगर पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ट्रक ने डीसीएम-बाइक को मारी टक्कर, पिता- बेटे की मौत

हादसे में मां घायल; डीसीएम में सवार दो युवक भी जख्मी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमरोहा, डिडौली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गांव चौधरपुर के पास एक ट्रक ने पहले डीसीएम को टक्कर मारी। फिर बाइक सवार परिवार को भी टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 40 वर्षीय इफ्तेखार और उनके 8 वर्षीय बेटे शानिब की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मुरादाबाद के थाना पाकबड़ा क्षेत्र के भारली के निवासी थे। इफ्तेखार की पत्नी फूल जहां भी इस हादसे में घायल हो गईं। डीसीएम में सवार फैसल और शाहरुख भी घायल हुए हैं। दोनों संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के शहबाजपुर गांव के रहने वाले हैं। मृतक इफ्तेखार चक्की चलाकर अपना गुजारा करते थे। उनके सात बच्चे हैं।

ईंट भट्ठे के मुंशी की मौत

महुआ के पेड़ पर लटका मिला शव, रात से था लापता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, पीपरपुर थाना क्षेत्र में एक ईंट भट्ठे के मुंशी की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मल्लेपुर गांव के बाहर बाग में महुआ के पेड़ पर खरगपुर निवासी 38 वर्षीय शिव प्रकाश कोरी का शव रस्सी से लटका मिला। शौच के लिए गए ग्रामीणों ने शव को देखा। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल के पास मृतक की मोटरसाइकिल भी खड़ी मिली, जिस पर हेलमेट लगा हुआ था।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बेखौफ गोवंश तस्करी

सुल्तानपुर में 3 महीने में 4 बार पकड़े गए गोवंश से भरे वाहन, 2 दिन में 57 पशु बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे गोवंश तस्करी का नया केंद्र बन गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए बना यह मार्ग अब अपराधियों का पसंदीदा रूट बन चुका है।

पिछले तीन महीनों में यहां चार बार गोवंश से भरे वाहन पकड़े गए हैं। रात पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किमी 147 पर बिरसिंहपुर गांव के पास पुलिस ने एक कंटेनर को रोका। चालक पुलिस को देखकर डिवाइडर तोड़ते हुए विपरीत दिशा में भाग निकला। टायर फटने से वाहन रुक गया और चालक मौके से फरार हो गया। कंटेनर से 25 गोवंश बरामद किए गए। इससे एक दिन पहले जयसिंहपुर के टांडा-बांदा नेशनल हाईवे पर एक और कंटेनर पकड़ा गया। इससे 32 गोवंश बरामद हुए, जिनमें तीन घायल थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।